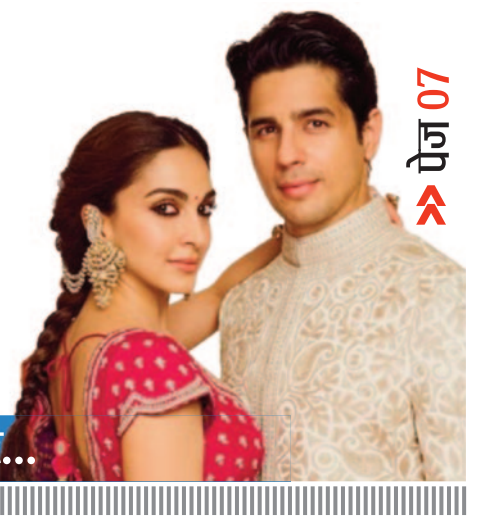
www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 187 || लखनऊ
गुरुवार
08 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:01
सूर्यास्तः 05:47
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
मस्तिष्क के रहस्यों की नई खो... >> पेज 04
ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़... >> पेज 06
कियारा-सिद्धार्थ दूसरी बार...

फास्ट न्यूज

सीजेपी बोली- क्या बीजेपी गृहयुद्ध करवाना चाहती है

नई दिल्ली। CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को बोल रही है कि दिल्ली पहुंचकर पत्थरबाजी करो। लाठियां चलाओ। क्या सरकार देश में गृहयुद्ध चाहती है? हम सरकार को चेतावनी देते हैं कि सुधर जाइए।

घटना जांच

जम्मू में बीएसएफ महिला कांस्टेबल की गोली लगने से मौत

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में BSF की महिला कांस्टेबल राजलक्ष्मी की गोली लगने से मौत हो गई। घटना एक फॉरवर्ड बॉर्डर आउटपोस्ट पर हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, 27 साल की राजलक्ष्मी आरएस पुरा में अंतर-राष्ट्रीय सीमा के पास सुशील नाम की बॉर्डर पोस्ट पर तैनात थीं।

गोली चलने की आवाज सुनकर उनके साथी मौके पर पहुंचे, जहां वे गंभीर रूप से घायल हालत में मिलीं। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जम्मू ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुलगाम में 5 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पुलिस ने सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (RR) और CRPF के साथ संयुक्त अभियान चलाकर पांच संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 2 पिस्तौल, 3 मैगजीन, 9mm की 40 गोलियां और 3 ग्रेनेड जब्त किए गए।

राहुल-प्रियंका का सीईसी ज्ञानेश के खिलाफ लगातार दूसरे दिन धरना, तीसरी बार हिरासत में

'सीईसी की नियुक्ति अवैध इस्तीफे तक नहीं रुकेंगे'

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इस बार दोनों जंतर-मंतर के 200 मीटर पहले सड़क पर बैठ गए। सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो प्रियंका संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ता की सुरक्षाबलों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इससे पहले राहुल-प्रियंका विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच के बाद जंतर-मंतर के लिए निकले थे। लंच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया था। इस लंच में सपा के नेता नहीं पहुंचे। एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था। इस दौरान राहुल और प्रियंका को दो बार हिरासत में लिया गया। आकाशवाणी परिसर में जबरन घुसने पर दोनों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। हिरासत में लिए गए राहुल गांधी को ले जा रही बस की छत पर चढ़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सुरक्षाकर्मियों ने नीचे उतारा।

>> (शेष पेज 06 पर)





■ प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई। इसके बावजूद उन्होंने सड़क पर बैठकर और कुछ देर लेटकर विरोध जारी रखा।

कांग्रेस सांसद बोले- न राहुल गांधी, न ही जनता डरने वाली है

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, आज पूरा विपक्ष वोट देने के अधिकार की रक्षा के लिए एकजुट है। न राहुल गांधी और न ही देश की जनता पुलिस या ज्ञानेश कुमार से डरने वाली है। हम वोट देने के अधिकार की रक्षा के लिए निकले हैं, क्योंकि अगर यह अधिकार सुरक्षित रहेगा, तभी हमारा देश और लोकतंत्र भी सुरक्षित रहेगा।

प्रियंका को छत्रसाल स्टेडियम लाया गया, बाहर पुलिस बल तैनात

पुलिस हिरासत के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम लाया गया है। स्टेडियम में भारी पुलिस बल तैनात है।

पुलिस राहुल गांधी को हिरासत में लेने के बाद बाराखंभा पुलिस स्टेशन ले गई थी। उन्हें करीब एक घंटे बाद छोड़ा गया।

राहुल गांधी के प्रदर्शन से दूर हुई अखिलेश यादव की सपा?

दूसरे दिन नहीं आया कोई सांसद

रणनीति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इस बार दोनों जंतर-मंतर के 200 मीटर पहले सड़क पर बैठ गए। सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो प्रियंका संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ता की सुरक्षाबलों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इससे पहले राहुल-प्रियंका विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच के बाद जंतर-मंतर के लिए निकले थे। लंच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया था। इस लंच में सपा के नेता नहीं पहुंचे। एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ 'इंडिया गठबंधन पूरी तरह से मजबूती संग खड़ा'
■ सूत्रों के मुताबिक सपा ने कहा कि उन्हें लंच का आमन्त्रण नहीं मिला

दिल्ली के सीमापुरी में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरी

एक बच्चे की मौत, 8 को बचाया गया

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मछली मंडी के पास सीमापुरी इलाके में बुधवार को मंजिला इमारत गिर गई। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, बिल्डिंग मालिक के परिवार समेत 8 से 10 लोग मलबे में दबे हुए हैं। अब तक 2 बच्चों समेत 8 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई। रेस्क्यू टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। यह इमारत ईदगाह मस्जिद के पास थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा दोपहर के करीब 3.10 बजे हुआ। हादसे के दौरान बिल्डिंग की पहली मंजिल पर एक परिवार के चार से पांच लोग मौजूद थे। घायलों को राजीव गांधी सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल ले जाया गया है। फायर कंट्रोल को दोपहर करीब 3:15 बजे बिल्डिंग गिरने की कॉल मिली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया।



■ मलबे में 6-7 लोगों के दबे होने की आशंका

कार्यक्रम : हिमंता ने कहा- राहुल सुन लो, मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकते परिणाम

घुसपैठियों के लिए लड़ रहा विपक्ष :नितिन नवीन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को वाराणसी में कहा- दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) असामाजिक तत्वों के मुद्दे पर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल उठता है कि वे किसकी लड़ाई लड़ रहे हैं?

विपक्ष जिन घुसपैठियों को हक दिलाने की बात कर रहा है, भारत की जनता उन्हें कभी हक नहीं देने देगी। अगर SIR के जरिए ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं और इसे लेकर लोकतंत्र पर सवाल उठाए जाते हैं, तो सवाल विपक्ष पर ही उठता है। इस अराजकतावादी सोच का जवाब देश की जनता देगी। यूपी सीएम योगी ने कहा- पहले अराजकता का तांडव था। उस समय यूपी की तस्वीर हम सब को डरावनी लगती थी। लेकिन, आज मोदीजी के मार्गदर्शन में माफिया मिट्टी में मिल गए। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने राहुल को चेतावनी दी। कहा, तुम सुन लो। जब तक भारत में सनातन की शक्ति है, तुम नरेंद्र मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकते। दरअसल, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में विपक्षी सांसद प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार वैध चुनाव आयुक्त नहीं हैं और उन्हें हटना होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)



ये नया भारत मोदी ने बनाया, जहां सेना सीमा तक पहुंच सकती है

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह नया भारत है और इसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर-पूर्व में चीन की सीमा तक पहुंचने के लिए सेना को जरूरी सड़क, रेल और हथियारों की कमी का सामना करना पड़ता था।

हिमंता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके नेतृत्व में सीमांत क्षेत्रों में सेना के लिए पर्याप्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश में 6 लेन का हाईवे और रेलवे लाइन बनाई गई है।

> हिमंता ने कहा कि आज भारत को कोई दबा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि देश में बाबर और औरंगजेब का प्रभाव खत्म होने का श्रेय भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि देश को प्रधानमंत्री मोदी के इसी नेतृत्व को आगे लेकर बढ़ना है।

हिमंता बोले- मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर बना

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की सत्ता संभाली। इससे पहले हिंदू समाज ने सोचना तक छोड़ दिया था कि कभी बाबरी मस्जिद की जगह राम मंदिर बन पाएगा। लेकिन मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर का निर्माण हुआ।

मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट, बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा न रुकूंगा

> मोदी ने कहा, "हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।"

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/वडनगर । 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।'

उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो। मोदी ने कहा, मैं अपनी यात्रा के पड़ाव पर प्रत्येक स्वयंसेवक, हर साथी कार्यकर्ता को आदरपूर्वक नमन करता हूं। आज का ये दिन यादों के लिए नहीं है, ये अपने संकल्पों को नई ऊर्जा से भरने का दिन है। ये दिन उस वादे को दोहराने का दिन है, उस इरादे को व्यक्त करने का है कि हम करके रहेंगे।

उन्होंने कहा, "वी विल डू इट।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ पीएम मोदी ने बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

मोदी बोले- 25 साल में देश कहां पहुंचा, ये अहम

पीएम मोदी ने कहा, "हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकता है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। वो भारत, जिसने अंधकार के युग में भी मानवता को ज्ञान दिया, मूल्यों का प्रकाश दिया, उसकी सेवा का मौका अमूल्य है। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।"

मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है

पीएम ने कहा, "हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें।"

उन्होंने कहा, अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। देश के लिए खुद को खपा देने का है। आज भारत में जितने युवा हैं, वो इतिहास से मिला बहुत बड़ा मौका है, जिसे हमें गंवाना नहीं है।



मोदी बोले- मैं मिशन के लिए जीने वाला इंसान

मोदी ने नारा लगवाया, "विकसित भारत बाय 2047, वी विल डू इट। तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी- वी विल डू इट। आत्मनिर्भर भारत- वी विल डू इट, ओलिंपिक्स का आयोजन- वी विल डू इट, अंतरिक्ष में कदम- वी विल डू इट। ये ऊर्जा, ये आत्मविश्वास अद्भुत है। जहां ये बातें लहू बनकर दौड़ती हैं, उन्हें कोई रोक नहीं सकता। 25 वर्षों की ये यात्रा, लोग इसे उपलब्धि मानते हैं।" उन्होंने कहा, मेरे काम संगठन का काम करने वाले का ही था। मैंने चुनाव लड़ाए थे, लेकिन एक भी चुनाव लड़ा नहीं था। चुनावी राजनीति में चमकने की चाहत होती तो बहुत पहले ही मैदान में उतर सकता था, लेकिन ये मेरा मिजाज नहीं था। मेरा क्या होगा, ये सोचा ही नहीं।

पीएम मोदी ने असंभव को बनाया संभव : सीएम योगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने वर्चुअली सभा को संबोधित किया





पीएम ने कहा, 'जीवन का एक ही ध्येय था, देश के लिए निस्वार्थ कर्म। मेरे लिए कर्म ही सबकुछ है। कर्म ही मेरा धर्म है। गीता ने हमें सिखाया है कर्मण्ये वाधिकारस्ते, मैं कर्म को अपना धर्म मानता हूं। हर कर्म पूरी क्षमता से करता रहूं।'

पीएम ने कहा, "हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें।"

उन्होंने कहा, अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। देश के लिए खुद को खपा देने का है। आज भारत में जितने युवा हैं, वो इतिहास से मिला बहुत बड़ा मौका है, जिसे हमें गंवाना नहीं है।

पीएम ने कहा, "हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गूंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया, भारत को लूटकर तबाह कर दिया गया। जो भारत दुनिया को दिशा दिखाता था, उसके पुस्तकालय जला दिए गए। छोटे-छोटे संकट विकराल होने लगे। अकाल, कई विभीषिकाएं, लेकिन तब भी मां भारती की संतानों का साहस नहीं टूटा।"

विकास और कनेक्टिविटी का किया जिक्र

योगी ने कहा कि देश में रेलवे, सड़क और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत जैसी ट्रेन सेवाओं के साथ ब्रॉडगेज, विद्युतीकरण और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का विस्तार हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में 'एक जिला, एक उत्पाद', 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' और 'एक जिला, एक कुजीन' जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी देश आगे बढ़ रहा है।

योगी बोले- 25 साल की सेवा यात्रा गौरव का अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूरे होना पूरे देश और प्रदेश के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री को बधाई दी। योगी ने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर सामान्य कार्यकर्ता और स्वयंसेवक के रूप में राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले मोदी ने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष की सेवा पूरी की है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा गांव से ग्लोबल स्तर तक पहुंचने की यात्रा है। योगी ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उस समय गुजरात भीषण आपदा से जूझ रहा था। उन्होंने ऐसी परिस्थितियों में राज्य की जिम्मेदारी संभाली और गुजरात को विकास के मॉडल के रूप में आगे बढ़ाने का काम किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी बोले- 2014 में देश निराशा में डूबा था, कई चुनौतियां थी

पीएम मोदी ने कहा, "जब गुजरात पहुंचा तो प्रशासनिक व्यवस्था का ज्यादा ज्ञान नहीं था, तब सिर्फ जनशक्ति का भरोसा था। इसी विश्वास को मैंने अपना सामर्थ्य बनाया। मैंने जनता को साथ लेकर निर्णय लिए, नीतियां बनाई और इन्हें लागू किया। यही मंत्र- वी विल डू इट...जब जनता साथ हो तो परिणाम ही आते हैं। गुजरात ने करके दिखाया।"पीएम मोदी ने कहा, "तब विकराल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। देश का हर नागरिक नया रास्ता खोज रहा था। भारत की इकोनॉमी को लेकर दुनिया कहने लगी थी- इट्स अ गॉन केस। तब कोई ज्योत दिखती नहीं थी। निराशा में डूबे देश को आशा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, ₹मैंने वही काम किया, जो मुझे आता था। मैंने लोगों के साथ मिलकर काम किया और उनके साथ मिलकर फिर दोहराया- वी विल डू इट। अब तस्वीर बदल गई है।" पीएम मोदी ने कहा, "आज मेड इन इंडिया फोन का जलवा है। कभी भारत में ब्लैकआउट हेडलाइन बनती थी, आज सोलर पावर के चर्चे होते हैं। आज खेती का उदाहरण भी है। आजादी के बाद खेती के बढ़ने की दर किसी दशक में रही तो 2015-25 के दशक में सबसे ज्यादा रही।"

मोदी जी ने पहले गुजरात को मॉडल स्टेट के रूप में चमकाया, अब भारत को समृद्ध कर रहे: मुख्यमंत्री योगी

'कभी यूपी में अराजकता के तांडव की दिखती थी डरावनी तस्वीर'



अब माफिया मिट्टी में मिल गए: सीएम योगी

भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री योगी व असम के सीएम ने वडनगर से काशी तक निकली बाइक सेवा यात्रा के समापन समारोह को किया संबोधित

सीएम योगी ने सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी बधाई

संबोधन

तमसा संकेत, सवाददाता



वाराणसी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 वर्ष में बदली काशी व 10 वर्ष में बदले यूपी का आईना देशवासियों को दिखाया। वडनगर से काशी आए बाइकर्स व अतिथियों से संवाद करते हुए मेजबान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी में 10 वर्ष पहले माफिया जहां खड़ा हो जाता था, वह जमीन उसकी हो जाती थी। जिस जमीन पर सपाई की नजर पड़ गई, वह उसकी हो जाती थी। सूर्यास्त के बाद बेटी बाहर नहीं निकल सकती थी, व्यापारी भय के साये में जीने को मजबूर थे। त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। यूपी में अराजकता के तांडव की डरावनी तस्वीर दिखती थी, लेकिन पीएम मोदी के मार्गदर्शन में माफिया अब मिट्टी में मिल गए। विरासत के रूप में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर, मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर, भव्य-दिव्य कुंभ, मथुरा-वृंदावन की चहलपहल नए भारत के नए यूपी की पहचान बन गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुजरात के वडनगर से काशी तक निकली बाइक सेवा यात्रा के समापन समारोह को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान पर मनमोहक रंगोली के समक्ष छात्राओं संग फोटो भी खिंचवाई। सेवा संकल्प पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम योगी ने दी पीएम मोदी को बधाई

मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के सफलतम 25 वर्ष पूरे होने पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों की तरफ से पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूरा भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के अहर्निश कार्यकाल को उत्सव के रूप में मना रहा है।

मोदी जी ने गुजरात को मॉडल स्टेट के रूप में चमकाया

सीएम योगी ने कहाकि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी (अब प्रधानमंत्री) ने गुजरात को मॉडल स्टेट के रूप में चमकाया। उस दौरान कुछ लोगों ने दुस्साहस करते हुए उजड़े हुए गुजरात की सुरक्षा पर सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी। ठीक उसी तरह आज पूरा भारत सुरक्षित, समृद्ध, वैश्विक मानचित्र पर ताकत के रूप में उभरा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अभियान ने प्राप्त की ऊंचाई

सीएम योगी ने विश्वास जताया कि युवाओं की ऊर्जा भारत को 2047 तक विकसित करने के लिए लगेगी। उन्होंने कहाकि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में पार्टी ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का जो कार्यक्रम तय किया है, वह ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। सीएम योगी ने युवाओं से अपील की कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश लेकर आगामी कार्यक्रमों के लिए खुद को तैयार करें।

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात की धरती पर हुआ करिश्माई नेतृत्व का आगमन

सीएम योगी ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात की धरती पर करिश्माई नेतृत्व का आगमन हुआ। उस समय गुजरात आपदा से त्रस्त था। भुज के भूकंप ने पूरे देश को कंपा दिया था। लोग गुजरात को लेकर चिंतित थे। उस दौरान मैंने भी गुजरात जाकर देखा कि कई महीने तक भूकंप के झटके आए। इसके बावजूद मोदी जी के करिश्माई नेतृत्व में गुजरात फिर उठ खड़ा हुआ।

लखनऊ के आशुतोष दीक्षित होंगे अगले वायुसेना प्रमुख

शहर में रहकर की थी पढ़ाई, पिता डीएवी कॉलेज में थे शिक्षक

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में पढ़े एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित अब भारतीय वायुसेना के प्रमुख बनेंगे। केंद्र सरकार ने उन्हें अगला वायुसेना प्रमुख नियुक्त किया है। मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के रिटायर होने के बाद आशुतोष दीक्षित 31 अक्टूबर को पद संभालेंगे। आशुतोष दीक्षित का लखनऊ से पुराना जुड़ाव है। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई लखनऊ में की। उनके पिता पीसी दीक्षित डीएवी डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र के शिक्षक थे। उनका परिवार लंबे समय तक लखनऊ में रहा। उनकी नियुक्ति से राजधानी से जुड़े लोगों में भी खुशी है। आशुतोष दीक्षित अनुभवी फाइटर पायलट हैं। उन्होंने अपने करीब चार दशक के सैन्य करियर में 3,500 घंटे से अधिक उड़ान भरी है। वह मिराज-2000, मिग, जगुआर, तेजस और हॉक समेत कई विमानों को उड़ा चुके हैं। वह एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। दीक्षित ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में जिम्मेदारी निभाई है। वह ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी सेक्टर के फाइटर बेस और दक्षिणी सेक्टर के फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान भी संभाली है। वर्तमान में आशुतोष दीक्षित वायुसेना के वाइस चीफ हैं। इससे पहले वह सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ और चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

फास्ट न्यूज

श्री हनुमानगढ़ी मंदिर में ब्रह्म भोज

लखनऊ। लखनऊ में गोमती नगर के विनय खंड तृतीय स्थित श्री हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में बुधवार को अयोध्या और काशी की तीर्थयात्रा से लौटे श्रद्धालुओं के लिए ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद भगवान श्री जगन्नाथ जी का महाप्रसाद श्रद्धालुओं और उपस्थित लोगों में वितरित किया गया। कार्यक्रम में पवन भावसार के साथ उनके भाई, मित्र और रिश्तेदार मौजूद रहे।

एमिटी लॉ स्कूल में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

लखनऊ । एमिटी लॉ स्कूल द्वारा विश्व में सैन्य संघर्षों के बदलते स्वरूप और आधुनिक युद्ध अपराधों की विस्तृत होती परिभाषा पर विचार-विमर्श के लिए आज दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डॉ. देवेंद्र कुमार अरोड़ा, मुख्य वक्ता बीबीएयू के मानवाधिकार विभाग की डॉ. राशिदा आथर, एमिटी लखनऊ परिसर के उप प्रति कुलपति सेवानिवृत्त विंग कमांडर (डॉ.) अनिल कुमार तिवारी तथा एमिटी लॉ स्कूल के निदेशक प्रो. डॉ. तपन कुमार चंडोला ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया।

लखनऊ में कुत्ता भौंका, तो गार्ड ने गोली मार दी

लखनऊ । लखनऊ में बाइक सवार युवक ने राइफल से एक कुत्ते को गोली मार दी। इससे कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें युवक बाइक रोककर नीचे उतरते और फिर कुत्ते पर फायरिंग करते दिख रहा है। मामला तालकटोरा थाना क्षेत्र का सुबह करीब 6:30 बजे का है। एक एनजीओ ने थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

विधान परिषद चुनाव में 6 प्रत्याशियों के पर्चे खारिज

स्नातक के 5, शिक्षक सीट पर 1 नामांकन निरस्त



तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । विधान परिषद के लखनऊ स्नातक और लखनऊ शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी हुई। मंडलायुक्त कार्यालय में हुई जांच के दौरान कुल 6 नामांकन पत्र खारिज किए गए। इनमें लखनऊ खंड स्नातक के पांच और लखनऊ खंड शिक्षक के एक प्रत्याशी का नामांकन शामिल है।

मंडलायुक्त-रिटर्निंग ऑफिसर विजय विश्वास पंत ने बताया कि सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की नियमानुसार गहन जांच की गई। जांच में मिली कमियों के आधार पर मेरिट के अनुसार नामांकन पत्र निरस्त किए गए। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। लखनऊ खंड स्नातक सीट पर अवनीश कुमार वर्मा निवासी धौरहरा, प्रतापगढ़, कांति सिंह निवासी मंसारा, बाराबंकी, राम चंद्र तिवारी निवासी रमापुर बाबूगंज, प्रतापगढ़, विनोद कुमार वर्मा निवासी एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ और चंद्रभान मौर्य निवासी डलमऊ, रायबरेली के नामांकन खारिज किए गए। सभी निर्दलीय प्रत्याशी थे।

उत्तर प्रदेश में 20 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर, एडीजी और एसपी के कार्यस्थल में बदलाव

उत्तर प्रदेश में 20 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर

- एडीजी ए सतीश गणेश से वापस लिया गया एडीजी क्राइम का पदभार
- एडीजी भगवान एस श्रीवास्तव को दिया गया अतिरिक्त कार्यभार

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस ट्रांसफर में एडीजी से लेकर पुलिस अधीक्षक का कार्यभार बदला गया है। शासन की ओर से जारी तबादला आदेश में 20 पुलिस अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इनमें अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारियों से लेकर जिलों में तैनात पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल हैं। तबादलों के साथ कई जिलों के पुलिस कप्तान भी बदल दिए गए हैं। प्रदेश के बाराबंकी के साथ बस्ती, जौनपुर, बलिया, मऊ, गाजीपुर, मुजफ्फरनगर, जालौन समेत कई जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। 1996 बैच के आईपीएस ए. सतीश गणेश अब अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उत्तर प्रदेश के पद पर बने रहेंगे। उनके पास अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध का अतिरिक्त प्रभार भी था, जिसे अब अलग किया गया है। उन्हें केवल अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं 1998 बैच के आईपीएस भगवान एस. श्रीवास्तव अब अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं के पद पर बने रहेंगे और उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 2017 बैच के आईपीएस अर्पित विजयवर्गीय को पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी से हटाकर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सर्वेश कुमार मिश्रा को सेनानायक, 04वीं वाहिनी पीएसी, प्रयागराज से पुलिस अधीक्षक, मऊ बनाया गया है।

रवीना त्यागी बनीं बाराबंकी की एसपी

2014 बैच की आईपीएस रवीना त्यागी को पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में पुलिस उपायुक्त के पद से हटाकर पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं 2014 बैच के आईपीएस संजय कुमार, जो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर के पद पर तैनात थे, उन्हें सेनानायक, 04वीं वाहिनी पीएसी, प्रयागराज बनाया गया है।

बस्ती, जौनपुर और पीएसी में भी बदलाव

2013 बैच के आईपीएस यशवीर सिंह का तबादला पुलिस अधीक्षक, बस्ती से पुलिस अधीक्षक, जौनपुर के पद पर किया गया है। कुंवर अनुपम सिंह, जो पुलिस अधीक्षक, जौनपुर थे, उन्हें पुलिस अधीक्षक, पीएसी मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ भेजा गया है।

मऊ, गाजीपुर और बलिया में भी फेरबदल

कमलेश बहादुर को पुलिस अधीक्षक, मऊ से हटाकर पुलिस अधीक्षक, लोक शिकायत, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ भेजा गया है। वहीं ईराज राजा को पुलिस अधीक्षक, गाजीपुर से पुलिस अधीक्षक, बलिया बनाया गया है। इससे बलिया में भी पुलिस कप्तान बदला है।

जेई अभ्यर्थियों ने यूपीएसएसएससी कार्यालय घेरा

बोले- 8 साल से भर्ती का इंतजार, जल्द जारी हो विज्ञापन, 15वीं-16वीं बार पहुंचे आयोग

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में 8 साल से अवर अभियंता (JE) भर्ती का इंतजार कर रहे करीब 100 अभ्यर्थी बुधवार को UPSSSC कार्यालय पहुंचे। पिकप भवन के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और इलेक्ट्रिकल-मैकेनिकल JE भर्ती का विज्ञापन जल्द जारी करने की मांग की। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती का अधियाचन करीब तीन साल पहले आयोग को भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक विज्ञापन जारी नहीं हुआ।

प्रदर्शन में शामिल इलेक्ट्रिकल के छात्र अवनीश प्रजापति ने बताया कि वह पिछले दो महीने में करीब 15वीं-16वीं बार आयोग के अधिकारियों के सामने अपनी मांग रखने पहुंचे हैं। बुधवार को भी करीब 100 अभ्यर्थी पिकप भवन पहुंचे।

अवनीश ने बताया कि 2023 में JE भर्ती का अधियाचन आयोग को भेजा गया था। उस समय PET-2023 के आधार पर भर्ती की उम्मीद थी। इसके बाद PET-2024 नहीं हुआ और PET-2025 के आधार पर भर्ती कराने की बात कही गई। अब PET-2025 के आधार पर कई भर्ती विज्ञापन जारी हो चुके हैं, लेकिन इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल JE भर्ती का विज्ञापन अब तक नहीं आया है। अभ्यर्थियों के मुताबिक, पिछले दो-तीन महीनों में उन्होंने आयोग के अधिकारियों से कई बार बातचीत की। भर्ती में देरी को लेकर अलग-अलग कारण बताए गए। कभी सिलेबस तो कभी योग्यता को लेकर मामला अटकने की बात कही गई। बाद में PET को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई।अभ्यर्थियों का कहना है कि लगातार आयोग के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें भर्ती का विज्ञापन जारी होने की कोई स्पष्ट तारीख नहीं बताई जा रही है। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लेकर पहुंचे थे। एक बैनर पर लिखा था- "डिप्टी CM बृजेश पाठक के घर के हजारों चक्कर लगे, अब तो भर्ती निकाल दो।"

23 विज्ञापन जारी, जेई भर्ती अब भी अटकी

अभ्यर्थियों का कहना है कि PET-2025 के आधार पर UPSSSC अब तक करीब 23 भर्ती विज्ञापन जारी कर चुका है। हाल में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी के पदों का विज्ञापन भी जारी हुआ है। ऐसे में अभ्यर्थियों का सवाल है कि जब अन्य भर्तियों के विज्ञापन जारी हो रहे हैं तो JE भर्ती का विज्ञापन क्यों नहीं निकाला जा रहा। अवनीश ने कहा, "जब 23 विज्ञापन आ चुके हैं तो 24वां विज्ञापन JE इलेक्ट्रिकल-मैकेनिकल का क्यों नहीं आ सकता, जबकि करीब तीन साल पहले से भर्ती का प्रस्ताव आयोग के पास है।"



अभ्यर्थियों ने कहा कि वे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कई बार मुलाकात कर चुके हैं। इसके बावजूद भर्ती का विज्ञापन नहीं निकलने से तकनीकी डिप्लोमा धारक युवाओं में नाराजगी है।

सप्तक्रांति एक्सप्रेस से 4 करोड़ की चरस बरामद, 2 गिरफ्तार

आरपीएफ-डीआरआई की संयुक्त कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने सप्तक्रांति एक्सप्रेस से करीब चार किलोग्राम चरस बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। दोनों आरोपी बिहार के रहने वाले हैं।

मुजफ्फरपुर से आनंद विहार जा रही ट्रेन संख्या 12557 सप्तक्रांति एक्सप्रेस मंगलवार रात करीब 11:37 बजे चारबाग स्टेशन पहुंची। डीआरआई से मिले इनपुट के आधार पर आरपीएफ प्रभारी भूपेंद्र सिंह डागर के नेतृत्व में टीम ने ट्रेन की तलाशी शुरू की। इंजन से पीछे तीसरी बोगी में दो संदिग्ध यात्रियों को बैग के साथ पकड़ा गया।

तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के बैग से करीब चार किलोग्राम चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय, निवासी पूर्वी चंपारण और अभिषेक, निवासी पश्चिमी चंपारण, बिहार के रूप में हुई है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई गई है।

पूछताछ में सामने आया कि चरस की यह खेप नेपाल से बिहार के रास्ते दिल्ली ले जाई जा रही थी। आरोपियों ने पूछताछ में इसे दिल्ली के क्लबों में सप्लाई किए जाने की जानकारी दी। टीम अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

ठगी : लखनऊ में कारोबारी से 28.61 किलो जेवर ले लिए, 24 दिन बाद गिरफ्तार

सोने की ईंटें दिखाकर 20 लाख की ठगी की

तमसा संकेत, एजेंसी



आरोपी के पास से बरामद जेवर।

लखनऊ । लखनऊ के चौक में सर्राफा कारोबारी को असली सोने की ईंटें देने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने सोने की परत चढ़ी ब्रॉन्ज और अन्य धातु की चार ईंटों को असली सोना बताकर कारोबारी से 2861 ग्राम सोने के जेवर और 20 लाख रुपए से ज्यादा नकद ले लिए थे। मामले में पुलिस ने हापुड़ निवासी अनवर (48) को गिरफ्तार किया है। उसके तीन अन्य साथी अभी फरार हैं।

पीर बुखारा निवासी सर्राफा संजीव कुमार रस्तोगी ने 10 सितंबर को चौक थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी कर नकली सोने की ईंटों को असली सोना बताकर उनसे जेवर और नकदी हासिल की। पुलिस ने मामले में अजय चौधरी निवासी रोहतक और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान हापुड़ के खजूरी कोठी निवासी अनवर का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे मंगलवार की शाम गोमतीनगर विस्तार स्थित जेनेश्वर मिश्र पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहचान छिपाने के लिए बेहद सावधानी बरतते थे। एक मोबाइल फोन और सिम का इस्तेमाल सिर्फ संबंधित व्यापारी से बातचीत के लिए किया जाता था। लखनऊ पहुंचने के बाद ही फोन सक्रिय करते थे। आरोपी अपने निजी मोबाइल और पहचान से जुड़े दस्तावेज भी साथ नहीं रखते थे। सीसीटीवी की नजर से बचने के लिए निजी वाहनों के बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट और बसों का अधिक इस्तेमाल करते थे।

> वारदात में शामिल आशू, मुसाहिद और सरफराज की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों से पूछताछ और आगे की जांच में गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।



कई सर्राफा कारोबारी थे निशाने पर

पूछताछ में पता चला कि गिरोह करीब डेढ़ साल से इस तरह की ठगी की तैयारी कर रहा था। उसके निशाने पर लखनऊ के कई सर्राफा कारोबारी थे। कारोबारी को भरोसे में लेकर नकली धातु की ईंटों को सोना बताना और उसके बदले बड़ी मात्रा में आभूषण व नकदी लेना उनकी योजना का हिस्सा था।

'8 साल से वेतन का इंतजार कर रहे पीएसीएस कर्मचारी'

संजय सिंह बोले- 9 लाख करोड़ का बजट, लेकिन वेतन नहीं दिए जा रहे

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा- प्रदेश में कुल 7,266 PACS समितियां हैं। इनमें से करीब 5,127 समितियों के कर्मचारियों को नियमित वेतन नहीं मिल रहा है। सरकार का बजट करीब 9 लाख करोड़ रुपए का है, लेकिन कर्मचारियों के वेतन के लिए करीब 313 करोड़ रुपए नहीं दिए जा रहे हैं। सांसद संजय सिंह ने बुधवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर PACS (प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों) के कर्मचारियों के वेतन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 5,127 सहकारी समितियों में काम करने वाले कर्मचारियों को पिछले आठ साल से वेतन नहीं मिला है। इनमें सचिव, अकाउंटेंट और चौकीदार शामिल हैं। संजय सिंह ने सरकार से इन कर्मचारियों का पूरा बकाया वेतन जल्द जारी करने की मांग की। सांसद ने कहा कि 2018-19 से अधिकारी लगातार सरकार को बजट जारी करने के लिए पत्र लिख रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। संजय सिंह ने कहा कि कर्मचारियों के घरों में वेतन नहीं पहुंचने से उनके सामने बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और इलाज जैसी परेशानियां खड़ी हो गई हैं। संजय सिंह ने चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी सवाल उठाए। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी 9 अक्टूबर को वोट चोरी के आरोप और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में बड़ा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने ईवीएम पर भी सवाल उठाया। बीजेपी को बैलेट पेपर से चुनाव कराने की चुनौती स्वीकार करने के लिए कहा। संजय सिंह ने चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया।

सपा-कांग्रेस सीट शेयरिंग पर इमरान मसूद का बड़ा बयान, सम्मान का ध्यान रखिए

'अभी सीटें फाइनल करिए'

बयान

- अखिलेश यादव सीटों की संख्या के बजाय जीत की संभावना और गठबंधन की एकजुटता पर जोर दे रहे हैं।



तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान के बीच कांग्रेस के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष और सहारनपुर सांसद इमरान मसूद ने सीटों का बंटवारा जल्द तय करने की मांग की है। मसूद ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन में सपा को आगे रखना चाहती है, लेकिन पार्टी की गरिमा और हिस्सेदारी का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। मसूद ने कहा-हमारी इतनी डिमांड है कि इतनी सीटों को अभी फाइनल कर लीजिए। हमारे सम्मान का आप सम्मान कीजिए, हम आपके सम्मान का ख्याल रखेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब 2017 वाली कांग्रेस नहीं है। यह 2027 वाली कांग्रेस है। पिछले दस वर्षों में पार्टी में काफी बदलाव आया है। इसके बावजूद कांग्रेस चाहती है कि गठबंधन में सपा आगे रहे। मसूद ने कहा कि उनकी अपनी पार्टी और कार्यकर्ताओं की भी महत्वाकांक्षाएं हैं और पार्टी को बचाने के साथ आगे बढ़ाना भी उनकी जिम्मेदारी है। मसूद ने गठबंधन और कांग्रेस की भूमिका को राहुल गांधी के नेतृत्व से जोड़ते हुए कहा कि "ये राहुल गांधी की आंधी है, इसमें जो साथ चलेगा वो साथ रहेगा, बाकी तिनके की तरह उड़ेंगे।"

कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र गौतम भी बोल चुके हैं कि सपा के साथ गठबंधन का फॉर्मूला हर हाल में अक्टूबर में सुलझा लेना चाहिए। इससे प्रत्याशियों को तैयारी करने का प्रर्याप्त समय मिलेगा। उन्होंने कम से कम सपा नेतृत्व से कांग्रेस के लिए 150 सीटों की अपेक्षा की है।

कांग्रेस-सपा में सीटों को लेकर बढ़ी बयानबाजी

यूपी की 403 विधानसभा सीटों के लिए 2027 में होने वाले चुनाव से पहले सपा-कांग्रेस गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर नेताओं के बयान लगातार सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने और सीट शेयरिंग को जल्द अंतिम रूप देने की बात कही है।

कांग्रेस 2017 वाली नहीं, 2027 वाली है



कांग्रेस सांसद इमरान मसूद।

'अखिलेश जो प्रस्ताव देंगे, हम मानने को तैयार'

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस के रुख में लचीलेपन का संकेत देते हुए मसूद ने कहा कि अखिलेश यादव जो भी प्रस्ताव रखेंगे, कांग्रेस उसे मानने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को मिलकर चुनाव लड़ना है और आपसी सम्मान बनाए रखना जरूरी है। इससे पहले भी मसूद सीट बंटवारे को जल्द अंतिम रूप देने की बात कह चुके हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अखिलेश यादव ने सीट शेयरिंग के सवाल पर कहा था कि "बात सीट की नहीं, जीत की है।" इसके जवाब में मसूद ने कहा था कि बात सही है, लेकिन "जब सीट होगी तभी तो जीत होगी।"

गोरखपुर सपा जिलाध्यक्ष बनने की होड़ लखनऊ तक लगा रहे पैरवी

यादव-ब्राह्मण चेहरों की चर्चा थप्पड़ कांड के बाद कार्यकारिणी भंग

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर । गोरखपुर में पत्रकार-वार्ता के दौरान हुए थप्पड़ कांड के बाद समाजवादी पार्टी ने जिला और महानगर कार्यकारिणी भंग कर दी है। अब दोनों जगह नई कार्यकारिणी बनाई जानी है। इसके साथ ही अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी नेताओं ने भागदौड़ शुरू कर दी है। कई पूर्व जिलाध्यक्ष भी अपनी दावेदारी जता रहे हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, जिले में ओबीसी और महानगर में ब्राह्मण चेहरे को जिम्मेदारी देने पर मंथन चल रहा है। हालांकि, अभी किसी नाम पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। सोशल मीडिया पर भी संभावित अध्यक्षों के नाम को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। जिलाध्यक्ष पद को लेकर सबसे ज्यादा हलचल है। ब्रजेश कुमार गौतम लंबे समय तक इस पद पर रहे हैं। वह दलित समाज से आते हैं। पार्टी में चर्चा है कि इस बार जिले की कमान किसी ओबीसी नेता को दी जा सकती है। ऐसे में यादव नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर भी दावा किया जा रहा है कि जिलाध्यक्ष पद के लिए यादव नेताओं का दावा मजबूत है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी इस बारे में कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है। पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश यादव, चंद्रबलि यादव और प्रह्लाद यादव अध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदारों में बताए जा रहे हैं। सपा नेता संतोष यादव का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी के नाम की चर्चा थप्पड़ कांड के बाद और तेज हुई है। नगीना प्रसाद साहनी के नाम को लेकर पार्टी के अंदर अलग-अलग समीकरणों पर चर्चा हो रही है।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में 2 मिनट में गिरा दो मंजिला मकान

वाराणसी। वाराणसी में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। इसी क्रम में दालमंडी गली चौड़ीकरण और पुलिसलाइन-कचहरी चौराह चौड़ीकरण की जद में आये मकानों का अंतिम ध्वस्तीकरण पीडब्ल्यूडी ने दो दिन में पूरा करा लिया। दोनों ही जगह पोकलैंड और जेसीबी मशीनें लगाकर मकानों को ध्वस्त किया गया।

एमएलसी चुनाव- 6 साल में लखपति से करोड़पति हुए ध्रुव

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में उतरे प्रत्याशियों के चुनावी हलफनामों में उनकी संपत्ति का बड़ा अंतर सामने आया है।

तीन बार के शिक्षक विधायक और भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी 2020 में पत्नी के साथ कुल करीब 10.45 लाख रुपए की चल संपत्ति के मालिक थे। अब छह साल बाद 2026 में दोनों की घोषित चल-अचल संपत्ति बढ़कर करीब 2.52 करोड़ रुपए हो गई है।

सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी ने अपने नाम 16.93 करोड़ रुपए की चल संपत्ति घोषित की है।

जापान के पूर्व पीएम की पत्नी रोईं

वाराणसी। वाराणसी में रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आबे मेमोरियल कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे की पत्नी आकिए आबे पति को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि मेरे पति का प्रधानमंत्री मोदी से गहरा लगाव और आत्मीय संबंध था। 2015 में काशी आने के बाद वह उनसे गंगा आरती और वाराणसी की यादें साझा करते थे। तभी से मेरे मन में भी वाराणसी आने की इच्छा थी।

पीएम मोदी पर 500 से अधिक किताबों की लगी प्रदर्शनी

काशी में 'नमो बुक फेस्ट' का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता



- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अकी आबे ने 'नमो बुक फेस्ट' का किया अवलोकन

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक पदों पर 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर काशी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय 'नमो बुक फेस्ट' का बुधवार को शुभारंभ हुआ। फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और विभिन्न संवैधानिक पदों पर उनके 25 वर्षों के कार्यकाल से जुड़ी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी 'नमो बुक फेस्ट' में पहुंचे। उनके साथ जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे भी फेस्ट में शामिल हुई। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी गई 500 से अधिक किताबों को देखकर अकी आबे ने विशेष रुचि दिखाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी गई विभिन्न पुस्तकों का अवलोकन किया । फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचारों, सार्वजनिक दायित्वों और विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान से संबंधित पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। 'नमो बुक फेस्ट' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत सीएमपीपीआर (काउंसिल फॉर मीडिया एंड पब्लिक पॉलिसी रिसर्च) के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने किया।

तिरंगे में लिपटा शव आया, पत्नी चीखकर बोली- बेटी से बात करना चाहते थे

सीआईएसएफ जवान की हत्या कर फेंकी गई लाश

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर । धनबाद से घर के लिए निकलने से पहले पति की एक बार कॉल आई थी, वह बेटी से बात करने के लिए बोले। वो सोई थी, इसलिए बुलाने नहीं गई। इसके बाद 55 बार कॉल की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। मुझे नहीं पता था कि वो आखिरी बार कॉल किए थे। उनकी हमारी अब कभी बात नहीं होगी। घर पर तिरंगे में लिपटा सीआईएसएफ जवान का शव आया तो पत्नी प्रतिमा चीखते हुए यह बोली। इसके बाद चारो तरफ घर में चीख पुकार मच गई। सीआईएसएफ जवान की 12 साल की इकलौती बेटी अपनी मां को बार-बार चुप करा रही थी। गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र के बोक्टा-बरवार बांध के किनारे 4 अक्टूबर की देर रात मृत मिले सीआईएसएफ जवान कर्मवीर यादव (38) की हत्या सिर पर वार कर की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के निशान मिले हैं। जवान के पिता दिनेश चंद्र यादव की तहरीर पर गीडा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस परमबीर के धनबाद से गांव आने के लिए इस्तेमाल की गई किराए की गाड़ी के बारे में जानकारी जुटा रही है।



परिवार के साथ गीडा थाने जाकर पिता ने तहरीर देकर एफआईआर कराई

छुट्टी लेकर गांव लौट रहा था जवान

भाई धर्मबीर ने बताया कि कर्मवीर रविवार को छुट्टी लेकर गांव लौट रहे थे। ट्रेन छूट जाने के कारण उन्होंने किराये की गाड़ी से घर आने का फैसला किया था। रविवार देर रात करीब 12 बजे कालेसर जीरो प्वाइंट के पास बोक्टा-बरवार बांध के किनारे उनका अचेत अवस्था में पड़े मिले।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जवान की जेब से मिले सीआईएसएफ के आईकार्ड के आधार पर उनकी पहचान हुई। देर रात पुलिस और सीआईएसएफ जवानों की मौजूदगी में परमबीर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पिता दिनेश चंद्र यादव ने मुखाग्नि दी।

55 बार कॉल की, वो नहीं उठाए

प्रतिमा ने बताया- वह रविवार रात करीब 55 बार पति के मोबाइल पर कॉल की, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। बाद में देवर के माध्यम से उन्हें कर्मवीर के अस्पताल में होने की जानकारी मिली। परिजन अस्पताल पहुंचे तो वहां पति की लाश सफेद कपड़े में लपेट कर रखी थी। जिसके बाद चीख पुकार मच गई। बाघागाड़ा निवासी मृतक कर्मवीर यादव के तीन भाई धर्मवीर, उदयवीर और रणवीर हैं। कर्मवीर की शादी 12 साल पहले हुई थी। उनकी सीआईएए-सएफ में दीवान पद पर तैनाती 2 साल पहले धनबाद में हुई थी। एक बेटी रिया यादव 7 में पढ़ती है। गाड़ी में परमबीर के अलावा और कौन-कौन सवार था और रास्ते में वह किन स्थानों पर रुकी, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

दीपोत्सव-2026 में दमकेगी रामनगरी

अयोध्या में दिखेगा रामायण का भव्य संसार, पुष्पक विमान से फ्लोटर्स तक होंगे मुख्य आकर्षण

- रामायण थीम पर सजेगी अयोध्या, 20 सेल्फी प्वाइंट और भव्य द्वारों की श्रृंखला बढ़ाएंगे आकर्षण
- अयोध्या आने वाले मुख्य मार्गों से 'धर्म पथ' तक और चौराहों से सरयू तट तक होगी थीम आधारित सजावट

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ/ अयोध्या। दीपों की रोशनी से निखरने वाली रामनगरी इस बार कलात्मक सजावट और रचनात्मक आकृतियों से भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी। दीपोत्सव-2026 में अयोध्या के प्रमुख चौराहों से लेकर प्रवेश मार्ग, रामकथा पार्क, राम की पैड़ी और सरयू तट तक रामायण की थीम पर भव्य सज्जा नजर आएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। रामनगरी में सजावटी द्वार, वे-फाइंडर, सेल्फी प्वाइंट और मंच के साथ राम रथ व पुष्पक विमान की झलक भी दिखाई देगी। वहीं, सरयू की लहरों पर आकर्षक फ्लोटर्स दीपोत्सव की भव्यता में चार चांद लगाएंगे।

दीपोत्सव-2026 के तहत अयोध्या में छह से आठ नवंबर तक विभिन्न आयोजन होंगे। 7 नवंबर को दीपोत्सव का मुख्य आयोजन होगा। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए करीब 10 प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित वे-फाइंडर लगाए जाएंगे। ये प्रमुख प्रवेश मार्गों, चौराहों और आयोजन स्थलों के आसपास होंगे।

दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए राम कथा पार्क और राम की पैड़ी पर 10-10 आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। हर इंस्टॉलेशन की थीम, डिजाइन और निर्माण शैली अलग होगी। इनमें अयोध्या और दीपोत्सव की झलक कलात्मक अंदाज में नजर आएगी। त्रि-आयामी कलाकृतियां आयोजन स्थलों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ आगंतुकों के अनुभव को भी खास बनाएंगी। इन्हें इस तरह तैयार किया जाएगा कि ये दीपोत्सव-2026 की सजावट का हिस्सा बनने के साथ लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनें। इसी कड़ी में लता मंगेशकर चौक से राम की पैड़ी मार्ग तक कलात्मक स्थापनाएं (आर्ट इंस्टालेशन) तैयार की जाएंगी।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव-2026 में अयोध्या की भव्यता के साथ उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी नए रचनात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। रामायण की थीम पर होने वाली सजावट, कलात्मक स्थापनाएं और प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं व पर्यटकों को रामनगरी के दिव्य और भव्य स्वरूप का नया अनुभव ...

नए कलेवर में नजर आएगा राम कथा मंच

'दीयों के उत्सव' के सांस्कृतिक आयोजनों के लिए रामकथा पार्क का स्थायी मंच नए कलेवर में नजर आएगा। यहां ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था के साथ एलईडी स्क्रीन, थीम आधारित रंगीन कपड़े आदि का इस्तेमाल होगा। दोनों ओर सीढ़ियां, पुष्प सज्जा, रंगोली, पर्दे और मंच पर बैठने की व्यवस्था भी होगी। मौजूदा ढांचे के अनुरूप ही डिजाइन तैयार किया जाएगा। वहीं, राम कथा पार्क के प्रवेश और निकास को आकर्षक बनाने के लिए सजावटी गेट का निर्माण होगा। प्रत्येक द्वार का डिजाइन भारतीय संस्कृति, पारंपरिक प्रतीकों और रामायण के प्रसंगों पर आधारित होगा।

ग्राइंडर ऐप से युवक को बुलाकर बंधक बनाया

न्यूड वीडियो बनाया 10 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर कराए

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में ग्राइंडर ऐप पर दोस्ती कर एक युवक को बुलाकर चार युवकों ने सुनसान जगह पर ले जाकर बंधक बनाकर मारपीट की। युवकों ने उसका गला दबाया और पेट में कई मुक्के मारे। इसके बाद उससे 10 हजार रुपए मंगवाकर अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। आरोपियों ने युवक के कपड़े उतरवाकर उसका वीडियो भी बनाया और धमकाया। इसके बाद आरोपी छोड़कर फरार हो गए। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र स्थित काशीराम नगर निवासी सत्यम सिंह (23) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 अक्टूबर की रात करीब एक बजे ग्राइंडर ऐप के जरिए एक युवक ने उसे कामता चौराहे पर बुलाया। वहां पहुंचने पर आरोपी उसे बाइक से टेरा खास की तरफ ले गया। एक मैदान में पहुंचकर वह सिगरेट पीने लगा। इसी दौरान तीन अन्य युवक वहां आ गए। सत्यम के मुताबिक चारों उसे सुनसान जगह पर ले गए। वहां एक युवक ने उसका गला दबाया और पेट में मुक्का मारा। इसके बाद आरोपियों ने उससे पैसों की मांग की। दबाव में उसने अपने पीजी मालिक अंकुर सिंह से 10 हजार रुपए मंगवाए। आरोपियों ने उसके पेटीएम ऐप से जबरन यह रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली।

नारेबाजी : ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे मांग को लेकर नारेबाजी की, पुलिस टांगकर ले गई

सपा कार्यकर्ताओं का मटकी प्रदर्शन

- प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस वैन में भरकर ले गई।
- प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई।
- कार्यकर्ताओं ने सिर पर मटकी रखकर चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।
- विपक्ष पहले ही उठा चुका था वोट चोरी का मुद्दा'
- 'इस्तीफा मांगने के लिए सड़क पर उतरे हैं'

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्या-लय में बुधवार को समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने सिर पर मटकी रखकर प्रदर्शन किया। दिल्ली में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को हिरासत में लिए जाने के विरोध में सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश कुमार के ऊपर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच में जमकर धक्का-मुक्की हुई। कार्यकताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाएगा, तब तक सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष चलता रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं।

करोड़ों वोट चोरी का आरोप

प्रदर्शन कर रहे प्रेम प्रकाश ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों वोटों की चोरी कर अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की गई है। उनका आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे।



उन्होंने कई बार इसके साक्ष्य भी दिए, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। अब एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की मिलीभगत से ही भाजपा सत्ता में आ रही है।

कहा कि हम लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने के लिए सड़क पर उतरे हैं। हमारे नेता अखिलेश यादव को हिरासत में लिया गया है। हम सभी लोग जेल भरो आंदोलन चलाएंगे। जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता, हम शांत नहीं बैठेंगे।

गोरखपुर में सीआईएसएफ जवान की हत्या कर फेंकी गई लाश

तिरंगे में लिपटा शव आया, पत्नी चीखकर बोली- बेटी से बात करना चाहते थे

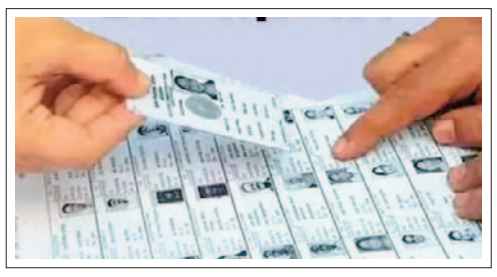
तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर । धनबाद से घर के लिए निकलने से पहले पति की एक बार कॉल आई थी, वह बेटी से बात करने के लिए बोले। वो सोई थी, इसलिए बुलाने नहीं गई। इसके बाद 55 बार कॉल की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। मुझे नहीं पता था कि वो आखिरी बार कॉल किए थे। उनकी हमारी अब कभी बात नहीं होगी। घर पर तिरंगे में लिपटा सीआईएसएफ जवान का शव आया तो पत्नी प्रतिमा चीखते हुए यह बोली। इसके बाद चारो तरफ घर में चीख पुकार मच गई। सीआईएसएफ जवान की 12 साल की इकलौती बेटी अपनी मां को बार-बार चुप करा रही थी। गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र के बोक्टा-बरवार बांध के किनारे 4 अक्टूबर की देर रात मृत मिले सीआईएसएफ जवान कर्मवीर यादव (38) की हत्या सिर पर वार कर की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के निशान मिले हैं। जवान के पिता दिनेश चंद्र यादव की तहरीर पर गीडा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रतिमा ने बताया- वह रविवार रात करीब 55 बार पति के मोबाइल पर कॉल की, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। बाद में देवर के माध्यम से उन्हें कर्मवीर के अस्पताल में होने की जानकारी मिली। परिजन अस्पताल पहुंचे तो वहां पति की लाश सफेद कपड़े में लपेट कर रखी थी। जिसके बाद चीख पुकार मच गई। बाघागाड़ा निवासी मृतक कर्मवीर यादव के तीन भाई धर्मवीर, उदयवीर और रणवीर हैं। कर्मवीर की शादी 12 साल पहले हुई थी। उनकी सीआईएसएफ में दीवान पद पर तैनाती 2 साल पहले धनबाद में हुई थी। एक बेटी रिया यादव 7 में पढ़ती है। भाई धर्मबीर ने बताया कि कर्मवीर रविवार को छुट्टी लेकर गांव लौट रहे थे। ट्रेन छूट जाने के कारण उन्होंने किराये की गाड़ी से घर आने का फैसला किया था। रविवार देर रात करीब 12 बजे कालेसर जीरो प्वाइंट के पास बोक्टा-बरवार बांध के किनारे उनका अचेत अवस्था में पड़े मिले।

सम्पादकीय

जोर सुधार पर हो



मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस की आक्रामकता जिस तरह बढ़ती जा रही है और उसने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सड़कों पर उतरने का जो फैसला किया, उससे इस प्रक्रिया को लेकर विवाद ही बढ़ रहा है। इसके कारण कुछ लोगों के मन में संशय भी पैदा हो रहा है। यह किसी के भी हित में नहीं, क्योंकि निष्पक्ष चुनावों के लिए मतदाता सूचियों का सही होना जरूरी है। यह एक तथ्य है कि मतदाता सूचियों को शुद्ध करने और खासकर उनसे फर्जी-अपात्र वोटरों को बाहर करने की मांग कांग्रेस समेत सभी दल करते रहे हैं। यह प्रक्रिया नई भी नहीं हैं। इतना अवश्य है कि चुनाव आयोग की सुस्ती के चलते यह करीब दो दशकों बाद हो रही है।

बिहार से शुरू हुई यह प्रक्रिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे उसे गलत बताने का विपक्ष का अभियान तेज हो रहा है। वास्तव में इसी इरादे से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे वोट चोरी का नाम दे दिया है। यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया को आवश्यक मान रहा और उसे आगे बढ़ाने की अनुमति भी दे रहा है।

सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से एसआईआर प्रक्रिया की सुनवाई कर रहा है। अब उसे इसे लेकर अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना चाहिए और चुनाव आयोग को उन तौर-तरीकों को अपनाने के लिए कहना चाहिए, जिनसे यह प्रक्रिया सुगम तरीके से संपन्न हो सके और किसी पात्र मतदाता को शिकायत का अवसर न मिले। यह सही है कि एसआईआर जैसी व्यापक प्रक्रिया में कुछ न कुछ त्रुटियां होंगी, लेकिन चुनाव आयोग को यह चाहिए कि वह इसे यथासंभव त्रुटिरहित बनाए।

इसी के साथ उसे ऐसे भी उपाय करने चाहिए, जिससे यह प्रक्रिया सतत चलती रहे और लोगों के लिए सुविधाजनक भी हो, ताकि हर वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल करा सके। उचित यह होगा कि चुनाव आयोग एसआईआर के मामले में लोगों को आवेदन करने या अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए समयसीमा में न बांधे। उसकी ओर से समयसीमा तय कर देने से यह संदेश निकलता है कि यदि किसी कारण किसी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने से रह गया तो वह मताधिकार से वंचित हो जाएगा।

इस आशंका को दूर करना सुप्रीम कोर्ट का भी काम है और चुनाव आयोग का भी। एसआईआर के मामले में यह भी समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग का सहयोग करें। विपक्षी दलों का यह रवैया ठीक नहीं कि वे एसआईआर की छोटी-मोटी कमियों को लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश बताकर लोगों को गुमराह करने का काम करें। आखिर जब सुप्रीम कोर्ट एसआईआर को लेकर की जा रही सभी शिकायतों की सुनवाई कर रहा है, तब फिर चुनाव आयोग के खिलाफ सड़कों पर उतरने का क्या औचित्य?

जागरूकता

हमारे जीवन में एक बात बहुत खास हैं । वह जिसके पालन से सफलता एवं आनंद सदा हमारे पास रहेंगे । वह छोटी सी बात जागरूकता है । यह बात हमको मामूली सी लगती है पर इसका अभ्यास हो जाए तो हमारे जीवन की गाड़ी सदा प्रसन्नता और सफलता की पटरी पर ही चलती है। वह स्वतः तब कोई अनुचित काम कभी होगा नहीं और जागरूकता का तराजू झट कह देगा यह सही नहीं हैं । हम यदि देर से उठे तो हमको झट जागरूकता का तराजू टोक देगा कि यह कदापि उचित नहीं हैं । वह हमने गुस्सा किया तो जागरूकता का पलड़ा डोलने लगेगा और कहेगा यह सही नहीं किया। हम आलस्यवश यदि आज का काम कल पर टालना चाहें तो हमको यह सचेत कर देगा कि इससे काम में विलंब होने का डर है। इस तरह यह सदैव सचेत करता रहेगा, हमारे जीवन को संयमित रखेगा। वह इसकी शर्त एक ही है कि हम हर काम को सतर्कता या सावधानी के तराजू पर यदि तोल लें कि यह सही नहीं है तो हमसे भूल होगी ही नहीं। वह हमारे से इसका अभ्यास हो जाए तो यह सफल सुंदर जीवन का खास मंत्र हो जाएगा । हम यह जानते हैं कि महाबली हनुमानजी के पास अपार शक्ति थी फिर भी वे अति विनम्रता से प्रभु श्री राम की भक्ति करते थे।हनुमान जी के पास शक्ति तो अपार थी पर उन्हें उसकी विस्मृति रहती थी । वह अवसर-अवसर पर उन्हें याद दिला कर उसकी जागृति करानी पड़ती थी, वैसे ही हमारे भीतर भी असीम क्षमता है, लेकिन हनुमानजी की ही तरह हमें भी उसका आभास नहीं रहता । वह और कोई जामवंत सरीखा गुणी आकर हमें इसकी याद दिलाए यह सम्भव नहीं दीखता। लेकिन अगर हम रोज सुबह उठकर ध्यान करें और जागरूकता से जीना शुरू करें तो निश्चित है कि हमें स्वयं अपनी शक्तियों का भान होगा और यही सफल जीवन जीने का विज्ञान है। वक्त और अध्यापक दोनों हमें सिखाते हैं। पर दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि अध्यापक सिखाकर परीक्षा लेता हैं और वक्त परीक्षा लेकर सिखाता है। वक्त की एक अच्छी आदत है जैसा भी है गुजर जाता है। परंतु समय एक पल भी ठहरता नहीं हैं वह कहता है मैं वापस नहीं आ पाऊंगा। जो करना है अभी कर ले।

› प्रदीप छाजेड़

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

> इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है।



मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती। इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है।

ललित गर्ग

असल में 'राहुल ...

राजेश श्रीवास्तव

अपनी हार को ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से क्यों जोड़ रहा विपक्ष



'ज्ञानेश, इट्स डन ब्रो' इस स्लोगन के साथ राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह इलेक्शन कमीशन की तरफ कूच किया। दावा किया कि उनके साथ लोकसभा-राज्यसभा के करीब 300 विपक्षी सांसद सड़क पर हैं। राहुल को हिरासत में लिया गया। देर रात सभी रिहा भी हो गये लेकिन ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को विपक्ष ने अपना राजनीतिक वजूद बचाए रखने की लड़ाई बना ली है। आखिर क्या वजह है कि विपक्ष को लगता है कि ज्ञानेश हट जायेंगे तो उसकी जीत हो जायेगी। या उसकी सरकार बन जायेगी। जब उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में चुनाव के चंद महीने शेष हैं तो अपनी ऊर्जा प्रदेश में खर्च करने के बजाय आखिर विपक्ष ज्ञानेश कुमार के पीछे क्यों पड़ा है। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी ने कहा- डुप्लीकेट वोटर और एक पते पर कई वोटर्स होने जैसी गड़बड़ियों के चलते कांग्रेस की हार हुई। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश और अन्य कई विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग पर बीजेपी की मदद करने और विपक्ष को चुनाव हरवाने के आरोप लगाए हैं।

अगर ज्ञानेश कुमार दबाव में इस्तीफा देते हैं, तो पूरी एसआईआर प्रक्रिया और उसके बाद हुए सारे चुनाव संदेह के घेरे में आ जाएंगे। अगर वे इस्तीफा नहीं देते, तो कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। इस पूरे अभियान से राहुल गांधी को नरेंद्र मोदी के मुख्य चैलेंजर के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फॉर्म-6 में बदलाव की मंजूरी उन्होंने नहीं दी है। कोर्ट ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से उन पर लगे 14 आरोपों पर जवाब मांगा है। सरकार को भी नोटिस भेजकर अपनी बात रखने को कहा है। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

असल में 'राहुल की स्ट्रैटेजी पीएम मोदी की छवि कमजोर करना है। राहुल ये संदेश देना चाहते हैं कि बीजेपी को चुनाव आयोग की वजह से वोट मिलते हैं, न कि नरेंद्र मोदी की वजह से।' विपक्ष बीजेपी की चुनाव में जीत को चुनाव आयोग में गड़बड़ी से जोड़कर दिखा रहा है। समाजवादी पार्टी के सांसद प्रदर्शन के दौरान 'भाजपा ही सीईसी' के पोस्टर लिए दिखे। महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट हुई। फरवरी 2023 में चुनाव आयोग ने शिवसेना का पारंपरिक निशान 'धनुष-बाण' बागी नेता और बीजेपी के साथ गए एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना को दे दिया। जबकि उद्धव गुट को नया सिबल 'मशाल' मिला।

इसी तरह एनसीपी की टूट में बीजेपी के साथ गए अजित गुट को पारंपरिक निशान घड़ी दिया। बंगाल चुनाव के बाद तृणमूल में टूट हुई, तो चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों के पुराना सिबल इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी।

विपक्ष चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगा रहा है। राहुल गांधी ने इसे 'पार्टी चोरी' करार देते हुए लिखा, 'पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब टीएमसी। हर बार एक ही पैटर्न। बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर पार्टी तोड़ते हैं, फिर उसका चुनाव निशान छीन लिया जाता है।'

ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक है। इस दौरान 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। विपक्ष मानता है कि ज्ञानेश कुमार के रहते निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। इसी बीच 23 सितंबर को इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद मुद्दे ने तूल पकड़ा, तो विपक्ष पूरी ताकत से सड़क पर उतर आया है।

दरअसरल यह कोई हाल-फिलहाल की बात नहीं है। राहुल गांधी 'वोट चोरी' के मुद्दे पर करीब दो साल से एक्टिव हैं। 7 अगस्त 2025 को इस मुद्दे पर पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में महादेवपुरा सीट में धांधली के कथित सबूत दिए। सितंबर में कर्नाटक और महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और नवंबर 2025 में हरियाणा चुनाव को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 23 सितंबर 2026 को 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट में चुनाव आयोग से जुड़े खुलासों के अगले ही दिन राहुल ने चौथी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने ही बिहार चुनाव के पहले यह मुद्दा उठाया था और अब ये इतना बड़ा हो गया है, तो फायदा भी उन्हें ही होगा। राहुल गांधी ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' की थी। इस दौरान 16 दिनों में 20 जिले कवर किए थे।

जुलाई 2023 में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आप जैसे 23 दलों ने 'इंडिया' ब्लॉक बनाया।

इसका सशक्त...

अवनीश श्रीवास्तव

प्रदेश सरकार के प्रोत्साहन से श्रावस्ती के किसान ने मसूर उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने किसानों के कल्याण, कृषि विविधीकरण और दलहन उत्पादन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखा है। सरकार की किसान हितैषी नीतियों, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अन्नदाताओं को सीधे तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश के आकांक्षी व सीमावर्ती जनपदों के किसान भी खेती में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। जब सरकारी नीतियां संवेदनशीलता के साथ धरातल पर क्रियान्वित होती हैं, तो सीमित जोत वाले लघु किसान भी अपनी लगन से पूरे प्रदेश के लिए नजीर बन जाते हैं। इसका सशक्त प्रमाण जनपद श्रावस्ती के एक साधारण किसान स्वरूप कुमार की यह सफलता गाथा है, जिन्होंने वैज्ञानिक पद्धति और जैविक खेती के समन्वय से मसूर की खेती में ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड गिलौला स्थित ग्राम तुलसीपुर के मूल निवासी श्री स्वरूप कुमार (पुत्र श्री त्रिभुवन प्रसाद) इंटरमीडिएट तक शिक्षित एवं एक उत्साही लघु श्रेणी के कृषक हैं। उनके पास कुल 1.40 हेक्टेयर सिंचित भूमि है तथा सिंचाई के लिए स्वयं का पंपसेट उपलब्ध है। सामान्यतः वे मसूर, धान, गेहूं और सरसों जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते रहे हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों की लागत घटाकर आय बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियानों से प्रेरित होकर उन्होंने दलहनी फसलों की वैज्ञानिक एवं उन्नत खेती को पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनाने का संकल्प लिया। किसान श्री स्वरूप कुमार की इस उपलब्धि की सबसे मजबूत कड़ी प्रदेश सरकार की वह सुदृढ़ व्यवस्था रही, जिसमें ब्लॉक और जनपद स्तर तक किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। श्री स्वरूप कुमार ने कृषि विभाग द्वारा विकास खण्ड एवं जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले कृषि मेलों, गोष्ठियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित रूप से प्रतिभाग किया। वहां से मिले तकनीकी ज्ञान को उन्होंने धरातल पर उतारा। उन्होंने बुवाई के लिए केवल प्रमाणित बीजों का चयन किया और बीजोपचार के उपरांत छिड़काव पद्धति छोड़कर वैज्ञानिक रूप से कतारों (लाइनों) में बुवाई की। साथ ही भूमि के स्वास्थ्य और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करते हुए वर्मी कम्पोस्ट व गोबर की खाद का संतुलित प्रयोग किया तथा जैविक खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी अपनी आजीविका का मुख्य आधार बनाया।

वैज्ञानिक सोच, उन्नत बीजों और जैविक पोषण के संगम का सुखद परिणाम यह हुआ कि किसान श्री स्वरूप कुमार ने मसूर की उन्नत प्रजाति 'एल०-4717' की खेती में अभूतपूर्व पैदावार प्राप्त की। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फसल प्रतियोगिता में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत उनके खेत में क्रॉप कटिंग कराई गई, तो मसूर का 28.40 कुन्तल प्रति हेक्टेयर का शानदार व रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया गया। दलहन की इस बंपर पैदावार के आधार पर स्वरूप कुमार ने पूरे प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर श्रावस्ती जनपद का मान बढ़ाया।

जरा हटके

गुणवत्ता एवं अंतर्राष्ट्रीय...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मेरठ के प्राकृतिक शहद को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिली पहचान



प्रदेश सरकार की निर्यात प्रोत्साहन नीतियों और 'लोकल टू ग्लोबल' की संकल्पना के प्रभावी क्रियान्वयन से मेरठ जनपद के ग्रामीण उद्यम अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर रहे हैं। जनपद के मोहिउद्दीनपुर क्षेत्र स्थित अधेरा गांव में उत्पादित शुद्ध एवं प्राकृतिक शहद अब मॉरीशस के बाजारों तक पहुंचने के लिए पूरी तरह तैयार है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' के भव्य मंच ने मेरठ के इस ग्रामीण उत्पाद को वैश्विक खरीदारों के बीच स्थापित करने में महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाई है।

ट्रेड शो के दौरान आयोजित बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकों में मेरठ स्थित उद्यम 'रैट्रोव हनी' के विशिष्ट उत्पादों ने विदेशी व्यापारिक प्रतिनिधियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। मॉरीशस की प्रमुख कारोबारी प्रतिनिधि जूली डी ने मेरठ में उत्पादित अजवाइन और सरसों के प्राकृतिक शहद का स्वाद व गुणवत्ता का परीक्षण करने के उपरांत इसे अत्यधिक सराहा। इसके पश्चात उन्होंने अपने व्यापक शॉपिंग मार्ट नेटवर्क के माध्यम से इस उत्पाद को मॉरीशस के खुदरा बाजार में सीधे उपभोक्ताओं तक उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की है।

गुणवत्ता एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादों के परीक्षण के लिए नमूने अग्रिम मूल्यांकन प्रक्रिया हेतु प्रेषित किए गए हैं। तकनीकी व गुणवत्ता संबंधी औपचारिक रिपोर्ट प्राप्त होते ही मॉरीशस के व्यावसायिक केंद्रों में मेरठ के शहद की विधिवत लॉन्चिंग और वाणिज्यिक वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। शॉपिंग मार्ट के माध्यम से सीधे विदेशी उपभोक्ताओं तक पहुंच सुनिश्चित होना जनपद के कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। मेरठ का यह उद्यम पूर्व में भी वैश्विक स्तर पर अपनी गुणवत्ता की प्रामाणिक छाप छोड़ चुका है। विगत वित्तीय वर्ष में इस इकाई द्वारा वियतनाम, मॉरीशस और इंडोनेशिया जैसे देशों को 46 मीट्रिक टन प्राकृतिक शहद का सफल निर्यात किया जा चुका है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में प्राप्त ताजा कारोबारी रुझान से मॉरीशस के बाजार में जनपद के उत्पादों की हिस्सेदारी और पैठ में व्यापक वृद्धि होने की ठोस संभावनाएं बनी हैं। इस उद्यम की स्थापना अधेरा गांव के युवा उद्यमी भारत अधेरा एवं उनकी बहन राखी अधेरा ने की है। दोनों उद्यमियों ने मधुमक्खी पालन और प्राकृतिक शहद प्रसंस्करण को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया। कच्चे प्राकृतिक शहद की स्वच्छता, शुद्धता, पोषक तत्वों के संरक्षण और आधुनिक पैकेजिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इस इकाई ने अजवाइन, सरसों तथा मल्टी-फ्लोरा (बहु-पुष्पीय) जैसे विशेष स्वाद एवं गुणों से युक्त शहद की श्रृंखला विकसित की है। ग्रेटर नोएडा में संपन्न पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान मेरठ के इस स्टॉल पर देश-विदेश के व्यापारियों और सामान्य आगंतुकों का व्यापक आवागमन रहा। अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों ने रासायनिक मिलावट से मुक्त, प्राकृतिक पुष्प स्रोतों से संकलित इस शहद की शुद्धता में गहरी रुचि दिखाई। इस वृहद आयोजन ने ग्रामीण पृष्ठभूमि के सूक्ष्म उद्यम को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने का सीधा अवसर प्रदान किया है।

केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन' (छठभ्ड) और 'मीठी क्रांति' (स्वीट रिवॉल्यूशन) के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने में मेरठ जनपद अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जिला प्रशासन के निरंतर मार्गदर्शन तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (डैडम्) विभाग की निर्यात अनुकूल व्यवस्थाओं के चलते जनपद में कृषि आधारित कुटीर उद्योग तीव्र गति से फल-फूल रहे हैं।जनपद मेरठ की भौगोलिक स्थिति, उन्नत कृषि परिवेश और समृद्ध फसली चक्र प्राकृतिक मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध कराते हैं। सरसों और औषधीय फसलों के सघन उत्पादन वाले इस क्षेत्र में मधुमक्खी पालन न केवल किसानों की आय दोगुनी करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है, बल्कि फसलों के परागण में वृद्धि कर कृषि उत्पादकता को भी नई गति दे रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के साधारण परिवेश से वैश्विक निर्यात तक का यह सफर सिद्ध करता है कि यदि स्थानीय संसाधनों को वैज्ञानिक दृष्टि, गुणवत्ता नियंत्रण और सरकारी मंचों का समुचित संबल प्राप्त हो, तो वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकते हैं। अधेरा गांव से मॉरीशस तक का यह व्यावसायिक विस्तार मेरठ के अन्य कृषक उत्पादक संगठनों (थ्च्व्) और ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में जनपदों के ऐसे अभिनव प्रयास महत्वपूर्ण संबल प्रदान कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर ग्रेडिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और परीक्षण सुविधाओं के विस्तार पर बल दिया जा रहा है, ताकि मेरठ के प्राकृतिक शहद और अन्य कृषि उत्पादों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थायी और प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त हो सके।

विराट कोहली बोले श्रद्धा-सम्मान की वजह से आश्रम जाता हूं, फलाहारी महाराज ने लगाए थे आरोप

पांच करोड़ लेकर प्रेमानंदजी के पास नहीं गया : कोहली

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । क्रिकेटर विराट कोहली ने 5 करोड़ रुपए लेकर संत प्रेमानंद के आश्रम जाने के आरोपों को नकार दिया है। कोहली के प्रवक्ता ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि सभी आरोप झूठे, निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा कि

कोहली प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए आश्रम सिर्फ गहरी श्रद्धा और सम्मान की वजह से जाते हैं। मीडिया से अपील है कि वह किसी भी दावे को तथ्यों की जांच के बाद ही प्रसारित करे। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अब तक 8 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात कर चुके हैं।



विराट कोहली 2023 से 2026 तक 8 बार प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने सोमवार को दावा किया था कि कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को केलीकुंज आश्रम बुलाने के लिए 5 करोड़ रुपए दिए गए थे।

आखिरी बार गुरु पूर्णिमा से पहले 22 जुलाई को नए आश्रम यमुना विहार कुंज पहुंचे थे। दोनों चेहरे पर मास्क लगाकर नंगे पांव आश्रम के अंदर गए थे। बारिश से रास्ते में कीचड़ था। विराट, अनुष्का का हाथ थामकर कीचड़ में चलते नजर आए थे। 25 सितंबर को प्रेमानंदजी के शिष्य रसिक दुलारी शरण ने केली कुंज ट्रस्ट की बिल्डिंग की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। 26 सितंबर को यमुना किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

फलाहारी महाराज ने कहा- आपकी टीम में साधु भेष में बड़े-बड़े माफिया घुसे



फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने संत प्रेमानंद महाराज को एक चिट्ठी लिखी थी। उन्होंने दावा किया कि संत की टीम के एक साधु गुट ने कोहली को 5 करोड़ रुपए देकर प्रेमानंद महाराज के दरबार में दर्शन के लिए बुलाया था, ताकि महाराज को सेलिब्रिटी बनाया जा सके। उन्होंने दावा किया कि प्रेमानंद महाराज की टीम में साधु के भेष में भू-माफिया घुस चुके हैं, जो यमुना के डूब क्षेत्र की जमीनें बेच रहे हैं और बच्चों की किडनी चोरी जैसे अपराधों में शामिल हैं। उन्होंने महाराज से गोवर्धन आने और मामले की CBI जांच की मांग करने की अपील की। कहा कि आप वहां सुरक्षित नहीं हैं। सरकार को आपको जेड प्लस सुरक्षा देनी चाहिए।

फलाहारी महाराज का पलटवार- सबके सबूत मौजूद

कोहली के बयान पर फलाहारी महाराज ने पलटवार किया। कहा- पहले न तो महाराज जी विराट कोहली को जानते थे और न ही विराट कोहली महाराज जी को जानते थे। ये तो बीच के लोगों, यानी PR कंपनी और प्रॉपर्टी ग्रुप के लोग विराट कोहली को महाराज जी के पास लाए और महाराज जी की लोकप्रियता के लिए 5 करोड़ रुपए दिए। इन सबके सबूत मौजूद हैं।

विराट कोहली को अपनी कंपनी के अकाउंट्स की जांच करवानी चाहिए और PR कंपनी से जुड़े महाराज जी के सेवक को भी अपने अकाउंट की जांच करवानी चाहिए। सब कुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा कि पैसों का लेन-देन हुआ था या नहीं।

इसके बाद, जब विराट कोहली दोबारा आए, तो उनके मन में भक्ति जागी और वे महाराज जी के भक्त और सेवक हो गए। फिर उन्होंने महाराज जी के आश्रम में कई गुना धन लगाया। ये बड़े-बड़े आश्रम बने हैं, इसमें विराट कोहली का पैसा लगा है।

पत्नी को प्रेमी संग देखा, दोनों को दौड़ाकर गोली मारी

फिरोजाबाद में महिला को 4, युवक को 2 गोलियां लगीं

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में एक युवक ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी पर पर गोलियां बरसा दीं। उसने पत्नी को 4 और प्रेमी को 2 गोली मारीं। दोनों को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया है।

गोली मारने की घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना कोटला चुंगी चौराहे की मंगलवार रात 10 बजे की है। सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि पति दुकान के अंदर जाता है। पत्नी और प्रेमी से बात करता है। दोनों के बीच हाथापाई भी होती है। इसके बाद पति दुकान के बाहर आ जाता है। अपने लोवर की जेब से लाइसेंसी रिवाल्वर निकालता है। वह पहले प्रेमी पर गोली चलाता है। गोली चलते ही बेटा अपने पापा को रोकने लगता है, लेकिन वह लगातार फायर करता रहता है।

प्रेमी गोली लगने से सड़क पर गिर जाता है, जबकि पत्नी जान



बचाने के लिए सड़क पर भागने लगती है। इसी बीच भीड़ ने फायरिंग करने वाले पति को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया। साथ ही उसके पास से लाइसेंसी रिवाल्वर भी बरामद की।

सनी के एक गोली सीने में बीचोबीच नीचे की तरफ और एक गोली दाहिनी तरफ पसली के नीचे लगी है। हालत गंभीर होने पर उसे आगरा रेफर किया गया है। वहीं, शिप्रा के एक गोली बाएं कंधे में, एक पेट में और एक गोली बाईं तरफ पसली में लगी है। वहीं, एक गोली उसके हाथ को छूते हुए निकल गई।

800 स्क्वायर फीट जमीन के लिए तलवार से काट डाला

पिता और 2 भाइयों ने मिलकर किए वार, पत्नी छोड़ने की गुहार लगाती रही

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । उन्नाव में 800 वर्गफीट जमीन के लिए भाई ने भाई की तलवार से हत्या कर दी। पत्नी का आरोप है कि उसके ससुर और दो देवरों ने पति को पकड़ लिया, जबकि एक देवर ने तलवार से ताबड़तोड़ 3 वार किए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। पत्नी की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और खून से लथपथ पति को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 56 किलोमीटर दूर बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गंजमुरादाबाद कस्बे का है। मृतक की पहचान दिलशाद (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी पिता और एक भाई को हिरासत में लिया है, जबकि



वारदात में शामिल दो आरोपी भाई फरार हैं। गंजमुरादाबाद कस्बा निवासी दिलशाद (26) पत्नी सोफिया (22) और 18 महीने के बेटे के साथ रहता था। वह लोडर चलाकर परिवार का खर्च चलाता था। दिलशाद पांच भाई और चार बहन हैं। चारों बहनें विवाहित हैं। उसके बड़े भाई बबलू की बीमारी के चलते पहले ही मौत हो चुकी है। पिता मुर्तजा (65) और भाइयों एजाज (23), शहजाद (45) व इरशाद (40) के बीच 800 स्क्वायर फीट जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे जमीन के बंटवारे को लेकर दिलशाद और छोटे भाई एजाज के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि पिता मुर्तजा ने दिलशाद के दोनों हाथ पीछे से पकड़ लिए, जबकि इरशाद ने उसके पैर पकड़ लिए। इसके बाद एजाज ने तलवार से दिलशाद पर ताबड़तोड़ तीन वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल दिलशाद खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मेरठ में मर्डर के बाद बिस्तर पर सांप छोड़ा था, 16 अक्टूबर को सजा का ऐलान

पति को सांप डसवाने वाली रविता-प्रेमी हत्या के दोषी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में पति की हत्या के मामले में रविता और उसके प्रेमी को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। बुधवार को कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि दोनों ने मिलकर अमित कश्यप की हत्या की थी। कोर्ट 16 अक्टूबर को दोनों को सजा सुनाएगी। घटना के 543 दिन बाद 16 तारीखों में 12 से ज्यादा गवाहों के बयान के बाद कोर्ट ने यह फैसला लिया।

हत्या 17 अप्रैल 2025 को हुई थी। रविता ने प्रेमी के साथ सोते वक्त अमित की गला घोंटकर हत्या की थी, फिर बिस्तर पर सांप छोड़कर 10 बार डसवाया था। तब से वह मेरठ जेल में बंद है, जबकि प्रेमी अमरदीप जमानत पर बाहर है। रविता आज मुंह बांधकर कोर्ट



पहुंची। मीडियाकर्मियों ने बात करने की कोशिश की तो उसने कुछ जवाब नहीं दिया। अमित कश्यप मेरठ-पौड़ी हाईवे से करीब 4 किलोमीटर अंदर गांव अकबरपुर सादात का रहने वाला था। अमरदीप, अमित के साथ टाइल्स-पत्थर लगाने का काम करता था। उसका अमित के घर आना-जाना था। इस दौरान अमरदीप का रविता से अफेयर हो गया। जब अमित को इसकी भनक लगी तो दोनों ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। दोनों ने एक



अमित की कमर के नीचे पत्नी और उसके प्रेमी ने सांप दबाकर रखा था।

सपेरे से वाइपर सांप एक हजार रुपए में खरीदा। 17 अप्रैल की रात अमित के सोने के बाद रविता ने बॉयफ्रेंड अमरदीप को फोन करके बुलाया। दोनों ने अमित की हत्या कर दी, फिर बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। इसके बाद बॉयफ्रेंड को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। सुबह जब घरवाले उठे तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी। शरीर पर सांप के डसने के निशान देखकर परिजन को लगा कि युवक की मौत सांप के डसने से हुई है। घरवालों ने सपेरे को बुलवाया। वह सांप को पकड़कर अपने साथ ले गया। इसके बाद अमित को डॉक्टर के पास लेकर गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

उसके शरीर पर सांप के काटने के निशान मिले।

पत्नी ने कहा था- मुझसे बलात्कार से भी गंदा काम करते थे

जेल जाते वक्त आरोपी पत्नी रविता ने कहा था- वो (पति अमित) मेरे साथ रोज मारपीट करते थे। मेरे साथ बलात्कार से भी ज्यादा गंदा काम करते थे। कहते थे कि तुझे वेश्या बनाऊंगा, धंधा कराऊंगा। उन्हें मालूम था कि मैं अमरदीप से फोन पर बात करती हूं। पति ने खुद ही मेरी बातचीत अमरदीप से फोन पर कराई थी। फिर मुझसे कहा कि मैं अमरदीप को अपने घर पर बुलाऊंगा। उसे मारने में तुझे मेरा साथ देना है। फिर मैं तुझे भी मारूंगा।

24 घंटे में छात्रों ने तैयार किए उद्योग की समस्याओं के समाधान

बीआईटी मेसरा में एड्रोसोनिक बिल्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बीआईटी मेसरा के छात्रों को जब उद्योग जगत की वास्तविक समस्याएं दी गईं तो उनके पास समाधान तैयार करने के लिए सिर्फ 24 घंटे थे। इसी चुनौती में टीम नॉटिलस ने सबसे बेहतर समाधान पेश करते हुए ग्रैंड विनर का खिताब जीता और 30 हजार रुपये का पुरस्कार हासिल किया।

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में एड्रोसोनिक बिल्ड के तहत आयोजित 24 घंटे की इस तकनीकी चुनौती में 106 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें से 21 टीमों को अंतिम चरण के लिए चुना गया। तीन अक्टूबर से शुरू हुई अंतिम चुनौती चार अक्टूबर को पूरी हुई। ग्रैंड विनर टीम नॉटिलस ने कृत्रिम पहचान और डीपफेक के जरिए किए जाने वाले फर्जी बीमा



दावों की पहचान से जुड़ी समस्या पर समाधान तैयार किया। टीम फैंटास्टिक फोर ने बीमा क्षेत्र में स्टेटमेंट ऑफ वैल्यूज के विश्लेषण के लिए एजेंट आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली पर काम किया, जबकि टीम आउटलायर्स ने बड़े भाषा मॉडल आधारित प्रणालियों में सूचनाओं को अधिक सटीक तरीके से खोजने की समस्या पर समाधान तैयार किया। दोनों टीमों को 20-20 हजार रुपये का पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता में छात्रों को तीन अलग-अलग औद्योगिक समस्याएं दी गई थीं। पहली समस्या का उद्देश्य बड़े पैमाने पर सूचनाओं में से जरूरी जानकारी को अधिक सटीक और तेजी से खोजने की व्यवस्था तैयार करना था। दूसरी में कृत्रिम पहचान और

केवल यह नहीं देखा गया कि टीम ने कौन सी तकनीक इस्तेमाल की

अंतिम मूल्यांकन में केवल यह नहीं देखा गया कि टीम ने कौन सी तकनीक इस्तेमाल की। समस्या की समझ, समाधान की उपयोगिता, उसे वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने की संभावना, टीम के बीच तालमेल और समाधान को बेहतर करने की क्षमता भी मूल्यांकन का हिस्सा रही। एड्रोसोनिक के सॉल्यूशंस इंजीनियरिंग के निदेशक नीरज कुमार ने कहा, "हमने देखा कि टीम समस्या को कितना समझती है, उसका समाधान क्यों जरूरी है और वह कितना व्यवहारिक है। उपयोगकर्ता की जरूरत, टीमवर्क, प्रयोग करने और समाधान में सुधार करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण रही।"

डीपफेक के जरिए होने वाले बीमा धोखाधड़ी की पहचान पर काम किया गया। तीसरी चुनौती में बीमा क्षेत्र के स्टेटमेंट ऑफ वैल्यूज से उपयोगी जानकारी निकालकर निर्णय लेने में मदद करने वाली एजेंट आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली विकसित करनी थी। दो अक्टूबर को हुए उद्घाटन के बाद अंतिम 21 टीमों ने अगले 24 घंटे अपने समाधान तैयार करने में लगाए। इस दौरान उन्हें समस्या को समझने, तकनीक का चुनाव करने, समाधान विकसित करने, उसकी जांच करने और जरूरत के मुताबिक उसमें बदलाव करने का मौका मिला।

एड्रोसोनिक बिल्ड इसी सहयोग का एक और विस्तार रहा, जिसमें बीआईटी मेसरा के छात्रों को सीधे उद्योग से जुड़ी समस्याओं पर काम करने और 24 घंटे की समय सीमा में उनके समाधान तैयार करने का अवसर मिला।

राजपाल यादव से सुप्रीम कोर्ट बोला-2 करोड़ जमा करो

फिल्म जैसे पैसा भी 'अता पता लापता' हो गया, 13 अक्टूबर तक का समय दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। सुप्रीम कोर्ट ने चेक बाउंस के सात मामलों में दोषी एक्टर राजपाल यादव को बुधवार को अल्टीमेटम दिया। कोर्ट ने कहा- 13 अक्टूबर तक 2 करोड़ रुपए जमा कराइए। इसके बाद ही हम दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ आपकी याचिका पर विचार करेंगे, जिसमें राजपाल को दोषी ठहराते हुए 3 महीने की सजा सुनाई गई थी।

सुनवाई के दौरान राजपाल ने हाथ जोड़कर बेंच के सामने प्रणाम किया। बताया कि फिल्म 'अता पता लापता' में 200-250 करोड़ का नुकसान हुआ था। प्रोड्यूसर्स के साथ उन्हें भी नुकसान उठाना पड़ा। इसके बावजूद उनसे 5 करोड़ की देनदारी वसूली जा रही है। इस पर



CJI ने मजाकिए लहजे में कहा- आपकी फिल्म की तरह आपका पैसा भी 'अता पता लापता' हो गया।

CJI ने सलाह दी कि वे अच्छी फिल्में बनाएं और लोगों का मनोरंजन करें। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाले वकील भी अच्छे कलाकार होते हैं। उन्हें भी फिल्मों में कास्ट किया जा सकता है। मामला 2010 में राजपाल की फिल्म 'अता पता लापता' के लिए मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से लिए गए 5 करोड़ के लोन से जुड़ा है। इसमें 1.05 करोड़ के सात चेक बाउंस हो गए।

सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए राजपाल

चेक-बाउंस मामले में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी के बाद राजपाल यादव सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच को बताया कि वे शिकायतकर्ता को 2 करोड़ रुपए देने को तैयार हैं। उन्होंने कोर्ट को 1.15 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भी दिखाया। बाकी 85 लाख अपनी एक प्रॉपर्टी बेचकर देने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी खरीदने वाला इस वक्त कोर्ट में मौजूद है।

श्रमिक स्वास्थ्य शिविर में 146 की जांच, मुफ्त दवा भी बांटी

शहजादपुर के लेबर अड्डे पर तीन दिवसीय शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शहजादपुर स्थित लेबर अड्डे पर बुधवार को श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर में 146 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद जरूरत के अनुसार परामर्श दिया और निःशुल्क औषधियां वितरित कीं। तीन दिवसीय शिविर छह से आठ अक्तूबर तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में श्रमिकों के अलावा राहगीरों और उद्यमियों को भी स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सीय परामर्श की सुविधा दी गई। बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट अकबरपुर के चिकित्सक डॉ. दूधनाथ वर्मा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर के डॉ. रविकांत वर्मा और डॉ. स्वर्णिमा वर्मा ने चिकित्सकीय सेवाएं दीं।

शिविर में श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। भवन एवं अन्य सन्निर्माण



कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत श्रमिकों के पंजीयन और नवीनीकरण की प्रक्रिया कराई गई। ई-श्रम से जुड़ी पेंशन योजनाओं समेत अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। श्रमिकों को रोजगार के अवसर और विभागीय सुविधाओं की जानकारी देने के लिए उनके मोबाइल में 'उप्र डिजिटल लेबर चौक' ऐप इंस्टॉल कराया गया। ऐप के उपयोग और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रचार वाहन से श्रमिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

कार्रवाई : न्यायालय के गैर-जमानती वारंट पर मालीपुर पुलिस की कार्रवाई

हेराफेरी के मामले में दो गिरफ्तार

ज्योतिपुर समैसा में घर के बाहर से महिला समेत दो पकड़े गए

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेराफेरी से जुड़े मामले में न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर मालीपुर पुलिस ने बुधवार को महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने ज्योतिपुर समैसा गांव में दबिश देकर दोनों को उनके घर के बाहर से पकड़ा।

गिरफ्तार लोगों की पहचान सुमन कुमारी पत्नी शिव सहाय (55) और राम चन्दर पुत्र पारस



नाथ (58) के रूप में हुई है। दोनों ज्योतिपुर समैसा गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार मामला धोखाधड़ी के साथ दस्तावेजों में हेराफेरी से जुड़ा है। इसी मामले में न्यायालय ने दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस ने न्यायालय और मानवाधिकार संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्रवाई की। मालीपुर थानाध्यक्ष तनुज कुमार पाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया।

न्यायालय के वारंट पर हुई गिरफ्तारी

मालीपुर पुलिस टीम वारंटियों की तलाश में बुधवार को ज्योतिपुर समैसा पहुंची। पुलिस के अनुसार दोनों अपने घर के बाहर मिले। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट की जानकारी दी गई। पुलिस ने गिरफ्तारी की सूचना दोनों के परिजनों को मौके पर दी। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

24वीं किस्त से पहले पीएम किसान की बड़ी छंटनी, 3,555 नाम बाहर

अंबेडकरनगर में 3.80 लाख लाभार्थियों का सत्यापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त नवंबर में धनतेरस के आसपास आने की उम्मीद है। किस्त जारी होने से पहले जिले में लाभार्थियों का सत्यापन किया गया है। करीब 3.80 लाख पंजीकृत किसानों की जांच में 3,555 लाभार्थी अपात्र मिले हैं। वहीं 28 प्रकरण विवादित होने के कारण लंबित रखे गए हैं। किस्त से पहले किसान अपने बैंक खाते, नाम, गाटा संख्या और अन्य विवरण में दर्ज त्रुटियां ठीक कराने में जुटे हैं। विभाग भी पात्रता की जांच कर सूची को अपडेट कर रहा है। उद्देश्य यह है कि योजना का लाभ पात्र किसानों तक ही पहुंचे।

लाभार्थियों की पात्रता जांच का अभियान लगातार चल रहा है। बीते तीन माह में सत्यापन के दौरान 3,555 नाम अपात्र मिले। जांच के बाद इन्हें लाभार्थी सूची से बाहर



किया जा रहा है।

गत माह जारी हुई 23वीं किस्त का लाभ जिले के करीब 3.80 लाख किसानों को मिला था। अब 24वीं किस्त से पहले लाभार्थियों के विवरण की जांच पर जोर है।

उपकृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25 हजार मृतक लाभार्थियों के नाम हटाए जा चुके हैं। 2,300 डबल नाम भी सूची से बाहर किए गए हैं।

इसके अलावा 8,200 पति-पत्नी के दोहरे पंजीकरण की पहचान कर कार्रवाई की गई है। अब पति-पत्नी दोनों के नाम दर्ज होने की स्थिति में एक ही लाभार्थी को आगामी किस्त का लाभ मिलेगा।

अकबरपुर में कलेक्ट्रेट मार्च के दौरान पुतला दहन, एक किलोमीटर तक थमी रही यातायात की रफ्तार

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़क पर उतरी सपा, इस्तीफे की मांग

प्रदर्शन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को समाजवादी पार्टी ने अकबरपुर में प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। अकबरपुर-बसखारी मार्ग पर पहुंचने के बाद नारेबाजी के बीच ज्ञानेश कुमार का प्रतीकात्मक पुतला फूंका गया। आग लगते ही पुलिसकर्मियों ने पानी डालकर उसे बुझाया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार दिव्या भारती वर्मा को सौंपा गया। सांसद लालजी वर्मा ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारी को संविधान के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने की मांग की। विधायक राममूर्ति वर्मा ने कहा कि वोट चोरी के जरिए संविधान को कमजोर करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाकर इस पद पर ईमानदार अधिकारी की तैनाती की मांग की।

विधायक रामअचल ने कहा कि भाजपा सरकार में संविधान खतरे में है। उन्होंने बिहार, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में वोट काटकर भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष तरीके से काम करने की मांग की।



त्रिभुवन दत्त समेत कई नेता रहे मौजूद

प्रदर्शन में आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त, पूर्व एमएलसी हीरालाल यादव, पूर्व मंत्री शंखलाल मांझी, सपा नेता सिद्धार्थ मिश्रा, महेंद्र यादव समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। पुलिस ने पानी डालकर आग बुझाई। इसके बाद कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।



सुबह से जुटे कार्यकर्ता, दोपहर में कलेक्ट्रेट के लिए निकला काफिला

अकबरपुर स्थित सपा कार्यालय पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था। दोपहर करीब 12 बजे कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही। अकबरपुर-बसखारी मार्ग पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी तेज कर दी। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित हुआ। करीब एक किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।

शिक्षा में नवाचार का सम्मान

अंबेडकरनगर के रुकुमकेश यादव को राज्य स्तरीय एडुलीडर्स अवार्ड

- हर जिले से एक शिक्षक का चयन
- विद्यालयी नवाचारों का मूल्यांकन कर हुआ चयन
- सम्मान से बेहतर काम की प्रेरणा मिलने की बात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शैक्षिक नवाचार और विद्यालयी गतिविधियों में योगदान के लिए अंबेडकरनगर के शिक्षक रुकुमकेश यादव को राज्य स्तरीय एडुलीडर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह मथुरा जनपद स्थित केएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मथुरा जिला पंचायत अध्यक्ष मौजूद रहे। राज्य स्तरीय सम्मान के लिए उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों से एक-एक शिक्षक का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया में विद्यालय में किए जा रहे नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को आधार बनाया गया। ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता दी गई, जिन्होंने विद्यालय में नामांकन बढ़ाने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शैक्षिक तकनीक के प्रभावी प्रयोग के लिए काम किया। इसके साथ अन्य शैक्षिक और सहायक गतिविधियों में योगदान को भी चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया।

एडुलीडर्स समिति की ओर से शिक्षकों के विद्यालय में किए जा रहे नवाचारों और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का मूल्यांकन किया गया। इसके बाद प्रत्येक जिले से एक शिक्षक का चयन किया गया। अंबेडकरनगर से रुकुमकेश यादव इस सम्मान के लिए चुने गए। अवार्ड मिलने के बाद रुकुमकेश यादव ने कहा कि यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए और अधिक प्रेरित करेगा। सम्मान मिलने पर जिले के शिक्षकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई दी।



मथुरा के केएम विश्वविद्यालय में हुआ सम्मान समारोह, प्रदेश के 75 जिलों से एक-एक शिक्षक का हुआ चयन नामांकन, उपस्थिति और शैक्षिक तकनीक में योगदान बना चयन का आधार

फास्ट न्यूज

चित्रों और भाषणों में दिखा सेवा का संकल्प

अंबेडकरनगर। पतौना स्थित रामनाथ परमात्मा प्रसाद जनता उच्च माध्यमिक विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रधानाचार्य सत्यदेव तिवारी के नेतृत्व में हुआ। कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। विद्यार्थियों ने रंगों और तूलिका के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सेवा भाव से जुड़े संदेश चित्रों में उकेरे।

नैनो उर्वरकों की उपयोगिता बताई

कटेहरी (अंबेडकरनगर)। विकासखंड कटेहरी की अशरफपुर बरवां समिति पर बुधवार को रिफॉर्म उत्सव के तहत किसान संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें करीब 60 किसानों ने हिस्सा लिया। इफको के वरिष्ठ क्षेत्र प्रबंधक डॉ. देवी प्रसाद ने किसानों को नैनो उर्वरकों और जैव उत्पादों के उपयोग की जानकारी दी।

इफको के वरिष्ठ क्षेत्र प्रबंधक डॉ. देवी प्रसाद ने नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो कॉपर और नैनो जिंक के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही सागरिका, एनपीके कंसोर्टिया और बायो डी-कंपोजर की जानकारी भी किसानों को दी गई।

बाराबंकी में युवती को सांप ने डसा, मौत

बाराबंकी । राम सनेही घाट क्षेत्र के हरिलाल पुरवा गांव में सुबह उस समय कोहराम मच गया, जब बिस्तर पर सो रही 18 वर्षीय युवती को सांप ने डस लिया। उपचार के दौरान जिला अस्पताल में युवती की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है, वहीं गांव में भी शोक की लहर है। हरिलाल पुरवा निवासी राम कैलाश धीमान की बेटी रूबी मंगलवार सुबह करीब पांच बजे अपने बिस्तर पर सो रही थी।

पटेल नगर से निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा, विकसित भारत का लिया संकल्प

अंबेडकरनगर में भाजपा ने आयोजित की विकसित भारत संकल्प सभा

- बड़नगर से प्रधानमंत्री के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण शहजादपुर फौहारा तिराहे पर हुआ समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को जिले में सेवा ज्योति कलश यात्रा और विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पटेल नगर तिराहे पर आयोजित कार्यक्रम में गुजरात के बड़नगर से प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने संबोधन सुना और सेवा व राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद उपेंद्र रावत रहे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने की। पटेल नगर से शुरू हुई सेवा ज्योति कलश यात्रा शहजादपुर स्थित फौहारा तिराहे पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। मुख्य अतिथि उपेंद्र रावत ने प्रधानमंत्री के संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के सेवा भाव और देश के प्रति समर्पण का उल्लेख किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत-2047 के संकल्प को दोहराते हुए राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी का आह्वान किया है। सेवा ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा और विकसित भारत के संकल्प को लोगों तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आमजन ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा। सेवा ज्योति कलश यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने सेवा और राष्ट्र निर्माण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन बाबा राम शब्द यादव ने किया।

मुंडेरा में न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता, लंगड़ी पृथ्वीपुर दूसरे स्थान पर

तीन दौड़ों में अरहान अव्वल, रामपुर बेनीपुर ने जीता चैंपियन का खिताब

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। न्याय पंचायत संसाधन केंद्र मुंडेरा के तत्वावधान में बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। सभी स्पर्धाओं में मिले अंकों के आधार पर प्राथमिक विद्यालय रामपुर बेनीपुर को चैंपियन घोषित किया गया। प्राथमिक विद्यालय लंगड़ी पृथ्वीपुर दूसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में 50, 100, 200 और 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, कबड्डी, खो-खो, नाटक और लोकगीत की प्रतियोगिताएं हुईं। बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय रामपुर बेनीपुर के मोहम्मद अरहान ने 50, 100 और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय लंगड़ी पृथ्वीपुर की अंशिका ने 50 और 100 मीटर दौड़ में बाजी मारी। प्रतियोगिता का उद्घाटन वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक सुधीर चतुर्वेदी, इरशाद अहमद और दिनेश चौरसिया ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया। संचालन न्याय पंचायत प्रभारी दिनेश नारायण सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि एआरपी कृष्ण दीपक तिवारी, प्रमोद विश्वकर्मा और रणविजय सिंह यादव रहे। कृष्ण दीपक तिवारी ने सफल प्रतिभागियों को बधाई दी और अन्य विद्यार्थियों से मेहनत कर अपनी प्रतिभा निखारने का आह्वान किया। दिनेश नारायण सिंह ने प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और शिक्षामित्रों से ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता की बेहतर तैयारी करने का अनुरोध किया। प्रतियोगिता के आयोजन में राम सुभाष यादव, अमित कुमार, सुभाष चंद्र, निसार अहमद, वाजिदा तबस्सुम, जेबा खातून, अनिल कुमार, जितेंद्र कुमार, राजेश कुमार मौर्य, लालजीत, प्रदीप कुमार और अवशेष कुमार समेत अन्य ने सहयोग किया।



कबड्डी में पुरैनिया और रामपुर बेनीपुर की बालिकाएं रहीं विजेता

कबड्डी में पुरैनिया के बालक और रामपुर बेनीपुर की बालिकाएं रहीं विजेता

कबड्डी के बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय पुरैनिया ने पहला स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय रामपुर बेनीपुर विजेता रहा। प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर मुंडेरा को दूसरा स्थान मिला। लंबी कूद के बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय लंगड़ी पृथ्वीपुर के रक्षत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर मुंडेरा की नजमा अव्वल रहीं।

पानी को तरसे बंदी तो लॉकअप में मचा हंगामा

40 से 45 बंदियों ने उठाई सुविधाओं की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद न्यायालय परिसर स्थित लॉकअप में शुक्रवार को पीने के पानी समेत अन्य सुविधाओं को लेकर करीब 40 से 45 बंदियों ने हंगामा कर दिया। बंदियों ने पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के साथ बैठने के लिए बेंच या कुर्सी और अतिरिक्त पंखे की व्यवस्था कराने की मांग की। एक आरक्षी की कार्यशैली को लेकर भी बंदियों ने नाराजगी जताई। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी लॉकअप पहुंचे। अधिकारियों ने बंदियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। बंदियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। मामले की जानकारी पर ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी अशोक कुमार और संयुक्त निदेशक सुनीता यादव भी लॉकअप पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मौके की स्थिति देखी। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।



- बेंच-कुर्सी और अतिरिक्त पंखे की भी जरूरत बताई सीजेएम के निर्देश पर तत्काल उपलब्ध कराया गया पानी

घर में महिला की संदिग्ध मौत, पति पर गला दबाकर हत्या का आरोप

दौलतपुर इकसारा गांव में बुधवार सुबह घटना की सूचना से पुलिस पहुंची मौके पर

- मायके पक्ष ने डायल-112 पर दी जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के दौलतपुर इकसारा गांव में बुधवार सुबह एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका की पहचान बिंदु के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने उसके पति रमेश गोंड पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अयोध्या जिले के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र निवासी राम सिंगार ने बुधवार सुबह करीब 10 बजे डायल-112 पर सूचना दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि बिंदु उनकी बहन थी। वर्ष 2017 में उसकी शादी दौलतपुर इकसारा गांव निवासी रमेश गोंड से हुई थी। राम सिंगार ने पति पर बिंदु की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। परिजनों के अनुसार बिंदु के तीन बच्चे हैं। इनमें दो बेटे और एक बेटी है। बताया गया कि रमेश अपने परिवार से अलग पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

सीओ प्रदीप सिंह चंदेल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। गांव में स्थिति सामान्य है।



भूगर्भ जल के पांच मामलों को मिली हरी झंडी

एनओसी के तीन और ड्रिलिंग मशीन के दो आवेदन मंजूर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भूगर्भ जल के उपयोग और संरक्षण को लेकर जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की बैठक हुई। इसमें भूगर्भ जल से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की गई। समिति ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के नवीनीकरण के तीन और ड्रिलिंग मशीन के पंजीकरण के दो आवेदनों पर नियमानुसार अनुमोदन की संस्तुति दी। बैठक में एनओसी नवीनीकरण से जुड़े तीन आवेदन समिति के सामने रखे गए। इसके साथ ड्रिलिंग मशीन के पंजीकरण के दो आवेदन भी प्रस्तुत किए गए। समिति ने सभी आवेदनों का परीक्षण किया। संबंधित नियमों और प्रावधानों के आधार पर इनके अनुमोदन की संस्तुति की गई।



जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूगर्भ जल के उपयोग और दोहन से जुड़े मामलों में शासन के निर्धारित नियमों और मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए। उन्होंने भूगर्भ जल के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी जोर दिया।

बैठक में जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त जिला उद्योग, क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अधिशासी अभियंता जल निगम और सहायक अभियंता लघु सिंचाई समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

'सीईसी की नियुक्ति ...

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मीडिया की ओर हाथ हिलाया और विक्ट्री साइन दिखाया। CEC ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर जाने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उन्हें INDIA ब्लॉक के अन्य सांसदों के साथ हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए जाने के दौरान RJD सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया। इसके लिए ज्ञानेश कुमार, अमित शाह और मोदी जी सभी जिम्मेदार हैं। हमने सालों से ऐसा नहीं देखा। यह बर्बरता की हद है। आप सभी बेनकाब हो चुके हैं। आप सभी कायर हैं। दिल्ली के DCP सचिन शर्मा ने कहा कि जंतर-मंतर पर BNSS की धारा 163 लागू है। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से सांसदों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने की अपील की। उन्होंने कहा, सांसद और उनके बसमर्थक तीन बसों में आ रहे हैं। हमें बताया गया है कि उनका गंतव्य जंतर-मंतर है। यहां BNSS की धारा 163 लागू है। बिना अनुमति के प्रदर्शन या मार्च की इजाजत नहीं है। चूंकि ये सभी सांसद हैं, इसलिए हमें इसका ध्यान रखना होगा। उनके साथ हमारा व्यवहार सम्मानजनक और उचित प्रोटोकॉल के अनुसार होगा। हम उनसे खुद ही यह जगह खाली करने का अनुरोध करेंगे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, "क्या यही तरीका है? आप देख सकते हैं कि ये क्या कर रहे हैं। INDIA ब्लॉक के सांसदों का कहना है कि पुलिस ने उनकी बस रोक दी है और उन्हें जंतर-मंतर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद बस की छत पर चढ़कर प्रदर्शन कर रहे हैं।नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे इंडिया गठबंधन के सांसदों ने नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में राजधानी दिल्ली में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को भी विपक्षी सांसदों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन किया था, जिसमें 300 विपक्षी सांसद मौजूद थे। हालांकि, बाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी अचानक आकाशवाणी भवन में पहुंचकर धरने पर बैठ गए, जिसके बाद देर रात दोनों को हिरासत में लेकर वहां से हटाया जा सका। बुधवार को लगातार दूसरे दिन हुए विरोध प्रदर्शन से अखिलेश यादव समेत समाजवादी पार्टी के सांसदों ने दूरी बनाई रखी।

राहुल गांधी के प्रदर्शन ...

इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था। इस दौरान राहुल और प्रियंका को दो बार हिरासत में लिया गया। आकाशवाणी परिसर में जबरन घुसने पर दोनों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। हिरासत में लिए गए राहुल गांधी को ले जा रही बस की छत पर चढ़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सुरक्षाकर्मियों ने नीचे उतारा।

दिल्ली के सीमापुरी में...

बताया जा रहा है कि यह इमारत गली के बिल्कुल अंदर की ओर है। इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें और ऊपर की ओर चार मंजिलें बनी हुई थीं, जिनमें अलग-अलग परिवार रहते थे। बिल्डिंग मालिक और उसका परिवार भी इसी इमारत में रहता था और उसके भी दबने की खबर है। पार्षद पंकज लूथरा ने कहा- हमें इमारत ढहने की सूचना मिली थी। मलबे से चार-पांच लोगों को पहले ही बचाया जा चुका है। शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया, "अभी तक करीब पांच से छह लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। बचाव अभियान जारी है। सारी जानकारी मिलने के बाद ही पता चलेगा।

फिलहाल दो से तीन लोग अभी भी अंदर हैं और वे हमसे संपर्क में हैं। बचाव अभियान जारी है।

2022 से 2025 तक यानी 3 साल में दिल्ली में बिल्डिंग गिरने के 1133 मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है।

घुसपैठियों के लिए ...

मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने मार्च किया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, "राहुल गांधी, तुम सुन लो! जब तक भारत में सनातन की शक्ति है, तुम नरेंद्र मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकते।" हिमंता ने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि 10-20 हजार लोगों को इकट्ठा करके नरेंद्र मोदी को रोका जा सकता है, वे गलत हैं। उन्होंने कहा कि देश की करोड़ों माताओं की शक्ति, करोड़ों युवाओं की शक्ति और सनातन भारत का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि एक समय असम में हर दिन बम विस्फोट होते थे, लेकिन आज वहां सेमीकंडक्टर रेवोल्यूशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत की तस्वीर है। कभी संसद तक पर हमला होता था, लेकिन आज भारत पाकिस्तान में घुसकर जवाब देता है।

भारत के विकसित...

वी विल डू इट। लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात की थी। भारत को नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए जो जज्बा चाहिए, वो एक ही संदेश देता है कि हम करके रहेंगे।"

पीएम मोदी ने कहा, "चंद्रयान ने मुझे असफलता से उठना सिखाया। कोरोना ने सामूहिक चेतना सिखाई। मीडिया ने मुझे खट्टे-मीठे अनुभव से आगे की बढ़ने की प्रेरणा दी। हर गांव, हर गरीब ने मुझे सिखाया कि साधन-संसाधन भले ही सीमित हो, लेकिन सपने बड़े होने चाहिए। हौसले बुलंद होने चाहिए।"

मोदी ने कहा, "मैंने ईश्वर से मांगा कि सीखना कभी कम न हो। आज जितना पीछे मुड़कर देखता हूं, उतना कृतज्ञता का भाव ही आता है। हर घटना ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। मुझे नम्र होना सिखाया। जिसने मुझे गिराया, उसने मुझे खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने मुझे लोकतंत्र की शक्ति समझाई। हर संकट मेरे धैर्य की परीक्षा रहा। हर सिद्धी ने बड़े लक्ष्यों की तरफ बढ़ने का सामर्थ्य दिया।"

मोदी ने कहा, "ये 25 साल का जनविश्वास, 25 सालों का अनुभव बड़ी पूंजी है। ये पूंजी देश की है। मां भारती हर संतान इस पूंजी की अधिकारी है। मुझे याद है, जब मैं वडनगर के स्कूल में पढ़ता था, तब मास्टरजी अलग-अलग तरह से पाठ पढ़ाते थे और क्लास में सबसे पहले पहुंचने वाले छात्र में मेरा नाम होता था। सीखने की वो ललक मेरे जीवन का हिस्सा बन गई और मैं आज भी स्वयं को एक विद्यार्थी मानता हूं।"

मोदी ने कहा, 140 करोड़ भारतवासियों के लिए प्रार्थना की। प्रार्थना ये कि परमात्मा मुझे इतनी शक्ति दे कि मैं अपने देश के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम कर सकूं। देशवासियों की और सभी लोगों की दिन-रात सेवा कर सकूं। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता जनार्दन का है।

पीएम ने कहा, "7 अक्टूबर 2001 को जब मैंने गुजरात के सीएम के रूप में शपथ ली थी तब सोचा नहीं था कि कभी ये पड़ाव भी आएगा। आज मुझे हेड ऑफ द गवर्नमेंट के तौर पर सेवा करते हुए 25 साल हो गए हैं। ये जनता के निरंतर आशीर्वाद का परिणाम है। ये भाजपा, एनडीए और लोकतंत्र के प्रति श्रद्धा रखने वालों का मैं आभार व्यक्त करता हूं।"

सेवा यात्रा के तहत वाराणसी से रवाना हुए लगभग 500 बाइक सवार मंगलवार को वडनगर पहुंचे। इन बाइकर्स के स्वागत के लिए शहर में विशेष तैयारियां की गई हैं। शाम को ये सभी बाइकर्स वडनगर की ऐतिहासिक शर्मिष्ठा झील पर आयोजित भव्य महा आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर गुजरात की विरासत और परंपराओं को दर्शाने वाले कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

बुधवार की सुबह 8:00 बजे बाइकर्स वाराणसी से लाए गए पवित्र जल से वडनगर के प्राचीन हाटकेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद, वे स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री की 'सेवा ज्योति यात्रा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे।

योगी बोले- 25 साल ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में पिछले 12 वर्षों में भारत को दुनिया के सामने मजबूत और सक्षम देश के रूप में प्रस्तुत किया गया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और नए भारत के निर्माण की दिशा में काम हुआ।

ईशान को नॉटआउट देने पर वेस्टइंडीज नाराज, डेब्यू पर नमन धीर का रिकॉर्ड

टी-20 में 2 साल बाद भारतीय कप्तान का शतक

मुकाबला

लखनऊ, एजेंसी



भारत ने पहले टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने करियर का पहला टी-20 इंटरनेशनल शतक लगाया।

इस फॉर्मेट में 2 साल के इंतजार के बाद किसी भारतीय कप्तान ने शतक जमाया है। साथ ही रनचेज में 4 साल बाद किसी भारतीय बल्लेबाज ने शतकीय पारी खेली है।

नमन धीर ने लखनऊ में 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। वे डेब्यू टी-20 में 3 विकेट लेने वाले भारत के तीसरे स्पिनर बने। इससे पहले प्रज्ञान ओझा और अक्षर पटेल यह कारनामा कर चुके हैं। अक्षर ने लखनऊ में छठे ओवर में बिना रन दिए रोवमेन पावेल का विकेट लिया। उन्होंने चौथी बार टी-20 में ऐसा किया। टी-20 में पावरप्ले में सबसे ज्यादा बार विकेट मेडन ओवर डालने का भारतीय रिकॉर्ड भुवनेश्वर कुमार के नाम है। उन्होंने 6 बार यह कारनामा किया है।

शिमरोन हेटमायर सातवीं बार टी-20 इंटरनेशनल में रनआउट हुए। इसके साथ ही वे टी-20 में सबसे ज्यादा बार रनआउट होने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बन गए। आंद्रे फ्लेचर 6 बार रनआउट हुए हैं।

शेरफेन रदरफोर्ड ने 2026 में टी-20 के 16वें से 20वें ओवर के दौरान 616 रन बनाए हैं। वे इस मामले में पहले नंबर पर हैं। दसुन शनाका 598 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मयंक यादव के पहले ओवर में शाई होप ने 4 चौके लगाए। उन्होंने पहली गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से चौका लगाया। फिर दूसरी गेंद पर डाउन द ग्राउंड शॉट खेलकर 4 रन के लिए भेजा। इसके बाद आखिरी 2 गेंद पर भी चौके लगाए। पहली पारी के 6वें ओवर में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अजीबोगरीब तरीके से रनआउट हुए। अक्षर के हाथ से गेंद डिफ्लेक्ट होकर कवर की ओर गई।

रनचेज में शतक का सूखा खत्म हुआ

श्रेयस अय्यर ने दूसरी पारी में नाबाद 102 रन बनाए। वे रनचेज में शतक लगाने वाले भारत के चौथे खिलाडी बने। केएल राहुल ने टारगेट का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा 2 शतक लगाए हैं।

4 साल बाद रनचेज में किसी भारतीय बल्लेबाज ने शतक लगाया है। इससे पहले सूर्यकुमार ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया था।





> **श्रेयस बतौर टी-20 कप्तान भारत के लिए शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने। 2 साल बाद टी-20 फॉर्मेट में किसी भारतीय कप्तान ने शतक जमाया है। श्रेयस से पहले आखिरी बार रोहित शर्मा ने 2024 में ऐसा किया था।**

टीम इंडिया की सिलेक्शन प्रोसेस में लक्ष्मण शामिल होंगे

खिलाड़ियों की चोट और सुधार की जानकारी तुरंत देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी



सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण अब सीनियर सिलेक्शन कमेटी की हर बैठक में शामिल होंगे। यह फैसला मुंबई में हुई BCCI की समीक्षा बैठक में लिया गया।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, 'लक्ष्मण अब हर सिलेक्शन मीटिंग में रहेंगे। वे खिलाड़ियों की इंजरी या रिहैब की तुरंत जानकारी देंगे, ताकि चयनकर्ताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच कोई कम्युनिकेशन गैप न रहे।'

यह पहला मौका है जब भारतीय क्रिकेट टीम के सिलेक्शन मीटिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख का रहना अनिवार्य किया गया है। लक्ष्मण ने हाल में गुवाहाटी में हुई टी-20 और इंडिया A की चयन बैठक में हिस्सा लिया था।

भारतीय टीम की पिछली 6 सीरीज में 7 ऐसे क्रिकेटरों का चयन हुआ, जो मैच खेलने के लिए फिट नहीं थे। सैकिया ने कहा कि लक्ष्मण BCCI में हेड ऑफ क्रिकेट और CoE प्रमुख हैं। उनके हर सेलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की उपलब्धता की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि इंजरी और व्यस्त शेड्यूल के कारण टीम अपनी पसंद की बॉलिंग लाइन-अप के साथ नहीं खेल पा रही है।

गिल ने यह भी कहा था कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए टीम के पास ज्यादा प्रयोग करने का समय नहीं है।

हरमनप्रीत की कप्तानी में खत्म हुआ 47 साल का सूखा

पहली बार वर्ल्ड कप जिताया, एशियन गेम्स में गोल्ड दिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी



हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। उनकी कप्तानी में भारत ने 2025 महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर 47 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। हरमनप्रीत भारत को महिला वर्ल्ड कप जिताने वाली पहली भारतीय महिला कप्तान बनीं।

इसके अलावा, उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल भी जीता। टेस्ट क्रिकेट में भी हरमनप्रीत ने भारत को लॉर्ड्स में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दिलाई।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता। 2 नवंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 170 रन की ऐतिहासिक पारी

कप्तानी से अलग हरमनप्रीत की सबसे यादगार पारियों में 2017 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की पारी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 170 रन बनाए थे। यह वनडे वर्ल्ड कप में किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर है। हालांकि, भारत की ओर से वनडे में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी के मामले में वह दूसरे नंबर पर हैं, क्योंकि दीप्ति शर्मा ने 188 रन बनाए हैं।

सोहेल तनवीर बोले- कोहली-रोहित भारतीय क्रिकेट के लिए वरदान

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिए वरदान बताया है।

उन्होंने कहा- 'कोहली के आंकड़े और विश्व क्रिकेट में योगदान खुद उनकी महानता बताते हैं। उन्होंने रोहित के अनुभव को भी टीम के लिए बड़ी ताकत बताया।' तनवीर ने दुबई में न्यूज एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप, रोहित-कोहली की एज और फिटनेस पर किए गए सवालों के जवाब दिए। उनके मुताबिक, उम्र को नकारात्मक नहीं देखना चाहिए, अगर खिलाड़ी फिटनेस और फॉर्म बनाए रखे। तनवीर ने कहा कि विराट कोहली के आंकड़े इतने बड़े हैं कि उनके बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'विराट के आंकड़े इतने शानदार हैं कि मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। वे खुद बोलते हैं।' तनवीर ने कहा कि कोहली ने भारतीय क्रिकेट के अलावा विश्व क्रिकेट की भी बड़ी सेवा की है।

पहली बार टॉप-10 टी-20 बैटर्स में शामिल, लखनऊ में विंडीज के खिलाफ शतक लगाया

श्रेयस अय्यर को आईसीसी रैंकिंग में 18 स्थान का फायदा

छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने ICC रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाई है। वे पहली बार टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-10 में आए हैं। वे 7वें स्थान पर आ गए हैं। अय्यर ने मंगलवार रात को वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 102 रन की शतकीय पारी खेली। इसका फायदा उन्हें बुधवार को जारी रैंकिंग में मिला। अब टी-20 के टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय हैं। श्रेयस के अलावा ईशान पहले, अभिषेक दूसरे और तिलक 10वें स्थान पर हैं।

हार्दिक चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था।



> **भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 8वें स्थान पर हैं। वे टॉप-10 में शामिल इकलौते भारतीय हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 पर हैं।**

बुमराह की टॉप-10 में वापसी, राशिद टी-20 के नंबर-1 बॉलर

टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप-10 में शामिल हो गए हैं। उन्हें 3 स्थान का फायदा मिला है। इसमें अफगानिस्तान के राशिद खान ने पाकिस्तान के अबरार अहमद को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है।

भारत के अक्षर पटेल ने भी 16 पायदान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के नसुम अहमद 8वें और मेहदी हसन 9वें नंबर पर हैं।

वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल का नंबर-1 स्थान और मजबूत हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में नाबाद 223 रन बनाने के बाद उनके 841 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं।

कप्तान शाई होप 2 स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल 7 पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं।

मनोरंजन

सोशल मीडिया पर दी जानकार, लिखा- एक बार फिर हमें जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा मिलने वाला है

कियारा-सिद्धार्थ दूसरी बार पेरेंट्स बनेंगे



नई दिल्ली। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने बुधवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।

पोस्ट में कियारा और सिद्धार्थ ने लिखा, "एक बार फिर हमें जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हमारे दिल प्यार और आभार से भर गए हैं।"

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी 7 फरवरी 2023 को हुई थी। दोनों ने राजस्थान के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ पैलेस में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने पिता बनने के अनुभव के बारे में भी बात की थी। टीवी शो 'बिग बॉस 20' में पहुंचे सिद्धार्थ से सलमान खान ने उनकी शादीशुदा जिंदगी और पिता बनने को लेकर सवाल किया था।

सिद्धार्थ ने कहा था कि पिता बनना उनके लिए सबसे खास भूमिका है। उन्होंने अपनी बेटी को बहुत प्यारा बताया था और कहा था कि वह लगातार नई चीजें सीख रही है। इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने मजाक में सिद्धार्थ से जल्द एक और बच्चा होने की बात कही थी। हालांकि, तब दूसरी प्रेग्नेंसी की कोई घोषणा नहीं हुई थी। वहीं, मां बनने के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में राज शमानी के पॉडकास्ट पर बात करते हुए कियारा ने कहा था कि मां बनने से पहले और बाद में उन्हें खुद में काफी बदलाव महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि अब वह खुद को पूरी तरह अलग इंसान मानती हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा आज बॉलीवुड के चर्चित कलाकारों में शामिल हैं। सिद्धार्थ ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। उन्होंने 2010 में फिल्म 'माई नेम इज़ खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इसके बाद 2012 में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक्टिंग डेब्यू किया। 'हंसी तो फंसी', 'एक विलेन' और 'कपूर एंड सन्स' जैसी फिल्मों से उन्हें पहचान मिली। हाल ही में वो फिल्म 'द वन' में नजर आए थे।



कियारा-सिद्धार्थ ने नन्हे बच्चे के मोजे और जूतों की एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है।



> **दोनों की प्रेम कहानी फिल्म 'शेरशाह' के दौरान चर्चा में आई थी। फिल्म में दोनों ने साथ काम किया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नजदीकियां बढ़ी थीं।**

जुलाई 2025 में पहली बार बने थे माता-पिता

शादी के करीब दो साल बाद कियारा और सिद्धार्थ पहली बार माता-पिता बने थे। जुलाई 2025 में दोनों ने सोशल मीडिया पर बेटी के जन्म की जानकारी दी थी। कपल ने बताया था कि उनके घर बेटी आई है। बाद में नवंबर 2025 में दोनों ने अपनी बेटी का नाम भी बताया था। उन्होंने बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा रखा। नाम की घोषणा करते हुए दोनों ने बेटी को अपना आशीर्वाद और राजकुमारी बताया था।

जाह्नवी कपूर ने 360 डिग्री जीभ मोड़ने को बताया टैलेंट

पेरिस फैशन वीक में दिया बयान

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों पेरिस फैशन वीक 2026 में शामिल होने के लिए फ्रांस में हैं। इस दौरान एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने एक अजीब हुनर का खुलासा किया।

जाह्नवी ने बताया कि वे अपनी जीभ को लगभग 360 डिग्री तक मोड़ सकती हैं। हालांकि उन्होंने खुद इस काम को बेवकूफाना और बेकार बताया। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है और कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया। इंटरनेशनल मीडिया प्लेटफॉर्म 'द कट' से बातचीत के दौरान जाह्नवी कपूर से उनके किसी छुपे हुए हुनर (हिडन टैलेंट) के बारे में पूछा गया था। इसके जवाब में जाह्नवी ने हंसते हुए अपनी इस अजीब आदत के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जीभ को 360 डिग्री तक घुमा सकती हैं। जाह्नवी ने यह भी साफ किया कि यह कोई बड़ी काबिलियत नहीं है, बल्कि यह एक बहुत ही अजीब और किसी काम न आने वाली ट्रिक है। जाह्नवी ने इस ट्रिक को सीखने के पीछे की वजह भी शेयर की। उन्होंने बताया कि जब वे स्कूल में पढ़ती थीं, तब बाकी बच्चे अपनी जीभ से अपनी नाक छूने की कोशिश करते थे। वे ऐसा नहीं कर पाती थीं। ऐसे में क्लास के दूसरे बच्चों को प्रभावित करने के लिए उन्होंने अपनी जीभ से कुछ अलग करने की कोशिश शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी जीभ को मोड़ना सीख लिया और यह उनके लिए दोस्तों के बीच दिखाने वाली एक ट्रिक बन गई।

कंगना रनोट ने कसा तंज ■ बोलीं- आखिर कहना क्या चाहती हैं

सवाल सुनते ही रिपोर्टर पर भड़कीं जया बच्चन

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस मार्च में सपा सांसद और एक्ट्रेस जया बच्चन भी शामिल हुईं। विरोध प्रदर्शन के दौरान जया बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

एक न्यूज चैनल से बात करने से इनकार करते हुए वह माइक को पीछे धक्का देती नजर आईं। इस दौरान उनके चेहरे पर इरिटेशन दिखी। जिसके बाद बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने जया बच्चन पर तंज कसा।

इंस्टाग्राम स्टोरी में जया बच्चन का वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, "जब आप पूरी दुनिया के सामने अपनी बात रखने के लिए धरने पर बैठते हैं, लेकिन जब आपसे पूछा जाता है कि आखिर आप कहना क्या चाहती हैं, तो जया बच्चन जी का जवाब होता है- नहीं बताऊंगी।" यह पहली बार नहीं है जब कंगना रनोट ने जया बच्चन पर टिप्पणी की हो। जया बच्चन अक्सर मीडिया में अपने बर्ताव को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। पैपराजी और आम लोगों को वह कई बार डांट लगा चुकी हैं। पिछले साल नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर जया बच्चन ने एक शख्स को सेल्फी लेने से मना करते समय धक्का देकर पीछे किया था। तब कंगना ने उन्हें बिगड़ी हुईं और प्रिविलेज्ड महिला कहा था। साथ ही इस घटना को शर्मनाक बताया था।



कंगना रनोट और जया बच्चन अभी तक एक साथ किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं।



पहले भी जया बच्चन पर टिप्पणी कर चुकी हैं कंगना

यह पहली बार नहीं है जब कंगना रनोट ने जया बच्चन पर टिप्पणी की हो। जया बच्चन अक्सर मीडिया में अपने बर्ताव को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। पैपराजी और आम लोगों को वह कई बार डांट लगा चुकी हैं। पिछले साल नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर जया बच्चन ने एक शख्स को सेल्फी लेने से मना करते समय धक्का देकर पीछे किया था। तब कंगना ने उन्हें बिगड़ी हुईं और प्रिविलेज्ड महिला कहा था।

वामपंथी पार्टियों ने सस्ते घर और कम किराए को मुद्दा बनाया, बर्लिन में जीत मिली

ममदानी की जीत ने बदली यूरोप की राजनीति

राजनीति

लंदन, एजेंसी

न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की जीत का असर अब यूरोप की राजनीति में दिखने लगा है। यूरोपीय नेता ममदानी की तरह महंगे किराए, बढ़ती महंगाई और आम लोगों के खर्च पर फोकस कर रहे हैं।

सबसे दिलचस्प मामला जर्मनी के बर्लिन का है। वहां महंगे घरों को मुद्दा बनाकर एलिफ एराल्प ने चुनाव जीत लिया। जर्मन मीडिया ने अब एराल्प को 'बर्लिन की ममदानी' कह रहे हैं। वहीं, फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड के वामपंथी नेता भी ममदानी की राजनीति पर नजर रख रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ममदानी ने यूरोप के वामपंथ को चुनाव लड़ने का नया तरीका दे दिया है। स्पेन में महंगा घर और बढ़ता किराया इस समय बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। पिछले महीने मैड्रिड में 87 साल की मारिकमेंन अबास्कल को 70 साल से रह रहे घर से निकाल दिया गया।



जर्मनी: सस्ते घरों का वादा किया, सबसे ज्यादा सीटें मिलीं

अगर यूरोप में किसी एक नेता को ममदानी से सबसे सीधे तौर पर जोड़ा जा सकता है, तो वह एलिफ एराल्प हैं। 45 साल की एराल्प वकील हैं और तुर्की मूल के परिवार से आती हैं। उनके माता-पिता 1980 के तुर्की सैन्य तख्तापलट के बाद जर्मनी आए थे। एराल्प 2017 में द लिंक से जुड़ी थीं। पिछले महीने हुए चुनाव में उनकी पार्टी का सबसे बड़ा मुद्दा रहा- महंगा शहर और महंगा किराया। एराल्प ने बर्लिन में निजी कंपनियों के पास मौजूद करीब 2.2 लाख मकानों को सार्वजनिक नियंत्रण में लाने की मांग की। इसका फायदा द लिंक को मिला। वह चुनाव में करीब 25.7% वोट मिले और वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। अब सरकार बनाने के लिए उसे दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन करना होगा।





ब्रिटेन: जैक पोलांस्की ने ममदानी की कैंपेन टीम से सीखा

ब्रिटेन में ममदानी से सबसे ज्यादा तुलना जैक पोलांस्की की होती है। वे ग्रीन पार्टी के नेता हैं। यह पार्टी मुख्य रूप से पर्यावरण और जलवायु के मुद्दों पर राजनीति करती रही है। लेकिन पोलांस्की ने पार्टी के मुद्दों का दायरा बढ़ाया है। पोलांस्की महंगाई, महंगे घर, बढ़ते किराए, रोजमर्रा के खर्च और अमीरों पर ज्यादा टैक्स जैसे मुद्दों को पर्यावरण की राजनीति से जोड़ते हैं। पोलांस्की इसे 'इको-पॉपुलिज्म' कहते हैं।

ममदानी की तरह पोलांस्की भी सोशल मीडिया को राजनीति का अहम माध्यम बना रहे हैं। पोलांस्की ने बताया कि उनकी वीडियो टीम ममदानी के वीडियो बनाने वाली टीम से टिप्स ले रही है। दिलचस्प बात यह है कि पोलांस्की इस समय लंदन की होलबॉर्न सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

फ्रांस: पेरिस में 60 हजार सस्ते घर बनाने का वादा

इसी साल मार्च में पेरिस के मेयर चुने जाने के बाद इमैनुएल ग्रेगोआर जीत के बाद समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

इसी साल मार्च में पेरिस के मेयर चुने जाने के बाद इमैनुएल ग्रेगोआर जीत के बाद समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

फ्रांस की राजधानी पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोयर समाजवादी पार्टी से जुड़े हैं। वे इसी साल मेयर चुने गए हैं। उनकी राजनीति में महंगा घर और बढ़ता किराया बड़ा मुद्दा है। ग्रेगोयर पेरिस में ज्यादा सस्ते घर बनाने, खाली पड़े मकानों को लोगों के लिए इस्तेमाल करने और किराए पर नियंत्रण बढ़ाने की बात करते हैं।

टाटा ट्रस्ट्स को चैरिटी कमिश्नर का नोटिस

मुंबई, एजेंसी



महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने टाटा ट्रस्ट्स को नोटिस जारी कर 12 अक्टूबर तक जवाब मांगा है। यह कार्रवाई ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन द्वारा सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में गड़बड़ियों के आरोप वाली शिकायत के बाद हुई है। श्रीनिवासन ने 24 सितंबर को मामले की जांच की मांग की थी।

श्रीनिवासन के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स अब समाजसेवा के अपने मुख्य काम से भटककर कंपनियों के बिजनेस फैसलों में दखल दे रहा है। ट्रस्टी खुद बड़े कारोबारी सौदों को तय करने, बातचीत करने और उन्हें फाइनल कराने में लगे हैं, जो कि चैरिटी ट्रस्ट के नियमों के खिलाफ है। टाटा ट्रस्ट्स पर आरोप है कि उसने टाटा संस के कॉमर्शियल सौदों को तय कराने में सीधे तौर पर हिस्सा लिया।

सवाल उठाया गया है कि एक चैरिटेबल ट्रस्ट का बिजनेस डील्स में इस तरह शामिल होना क्या उसके नियमों और समाज सेवा के मकसद के खिलाफ नहीं है।

ट्रस्ट में नए ट्रस्टियों को किस आधार और किन नियमों के तहत चुना जा रहा है। ट्रस्ट के कामकाज की पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए हैं। नोएल टाटा को हमेशा के लिए ट्रस्टी बनाए रखने के दर्जे पर आपत्ति जताई गई है ।

12 अक्टूबर तक मांगा जवाब ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन ने ट्रस्ट में गवर्नेंस की कमियों के आरोप लगाए थे

फास्ट न्यूज

श्रीलंका की पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका की पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे को बुधवार को उनके एनजीओ ओसिरलिया सवियाओ के बैंक अकाउंट से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया। रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाले आयोग के अधिकारियों ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी को कोलंबो के पोल्हेंगोडा में उनके घर से गिरफ्तार किया।

सोना 498 गिरकर 1.48 लाख पर आया

नई दिल्ली । सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 498 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 1,245 रुपए सस्ती होकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले बीते महीने यानी सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 सितंबर को 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई।

यूक्रेन के सैन्य और ऊर्जा ठिकानों पर रूस ने दागी 70 से अधिक मिसाइलें

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसकी सेनाओं ने कीव और यूक्रेन के कई अन्य इलाकों में सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर सटीक निशाना साधने वाले हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल करके जबरदस्त हमला किया। मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में जमीन, समुद्र और हवा से छोड़े जाने वाले हथियारों के साथ-साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया।

अमेरिकी संसद में कैप्टन स्मित के सम्मान में प्रस्ताव पारित

आतंकी हमले को नाकाम करने की तारीफ की

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर के सम्मान में प्रस्ताव पास किया है। इसे दोनों पार्टियों ने समर्थन दिया है। इसमें 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हुए हमले के दौरान कैप्टन मच्छर की बहादुरी की तारीफ की गई है।

प्रस्ताव में इस घटना को आतंकी हमला बताया गया है। हमलावर ओमानी को-पायलट हमाम अल-हमामी को पकड़ने में मदद करने वाले यात्रियों की भी सराहना की गई है। फ्लाईदुबई की फ्लाइट FZ1073 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही थी। उड़ान के दौरान कॉकपिट में कैप्टन मच्छर पर हमला हुआ और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद कुछ यात्री कॉकपिट में पहुंचे और हमलावर को पकड़ लिया। विमान को सऊदी अरब के ताबुक ले जाया गया, जहां कैप्टन मच्छर का इलाज किया गया।

हमले के बाद फ्लाइट में मौजूद डेंटिस्ट डॉ. शोता मुसेव ने कैप्टन स्मित मच्छर को करीब 45 मिनट तक संभाला। चीखने की आवाज सुनकर मुसेव कॉकपिट पहुंचे थे। वहां कैप्टन फर्श पर खून से लथपथ पड़े थे। उन्होंने तुरंत खून रोकने की कोशिश शुरू की और कैप्टन को होश में रखने के लिए लगातार उनसे बात करते रहे। मुसेव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ पर गहरे घाव थे। उन्होंने टी-शर्ट से घाव दबाए, लेकिन खून नहीं रुका।

सपोर्टर्स बोले-पूर्व पीएम की रिहाई की मांग से समझौता नहीं, लॉन्ग मार्च पेशावर से 30 केएम दूर

प्रधानमंत्री शहबाज का इमरान समर्थकों को बातचीत का न्योता

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इमरान समर्थकों का लॉन्ग मार्च पेशावर से महज 30 किलोमीटर दूर पहुंच गया है। वे इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं और फिलहाल राजधानी से करीब 180 किलोमीटर दूर हैं।

मार्च को देखते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को इमरान समर्थकों को बातचीत का न्योता दिया। शहबाज का यह रूख इसलिए अहम है, क्योंकि सोमवार को ही उनकी सरकार ने इमरान समर्थकों से बातचीत करने से इनकार किया था।

हालांकि, इमरान समर्थकों ने शहबाज के बातचीत के प्रस्ताव को साफ तौर पर ठुकरा दिया है। उनका कहना है कि वे इमरान खान की रिहाई की मांग से पीछे नहीं हटेंगे।

पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग में रहे अविनाश मोहनानी ने कहा कि इमरान समर्थकों का लॉन्ग मार्च खैबर से पंजाब में पहुंचते ही शहबाज सरकार पर दबाव बढ़ाएगा। व्यापक समर्थन मिला तो आर्मी चीफ मुनीर के लिए भी इसे रोकना मुश्किल होगा।

इसी वजह से मार्च को रोकने की कोशिश तेज है। इमरान की लोकप्रियता अब भी कायम है और उनकी रिहाई की चाबी मुनीर के पास है। वहीं, सीनियर फैलो और राजनीतिक विश्लेषक सुशांत सरीन के मुताबिक, आसिम मुनीर लॉन्ग मार्च के बहाने शहबाज शरीफ को घेर रहे हैं। सरीन के मुताबिक, मुनीर ने पहले मार्च के रास्ते में खैबर में फ्रंटियर फोर्स तैनात की। इसके बाद मंगलवार को शहबाज से इमरान समर्थकों को बातचीत के लिए बुलाने को कहा।



शहबाज ने कहा,हम ऐसा नहीं होने देंगे। कानून अपना काम करेगा। लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है और हम हर हाल में इसे सुनिश्चित करेंगे।



हाथों में PTI के झंडे और इमरान के पोस्टर लेकर समर्थकों ने बस, ट्रक, कार, मोटरसाइकिल और रिक्शा से इस्लामाबाद की ओर कूच किया।

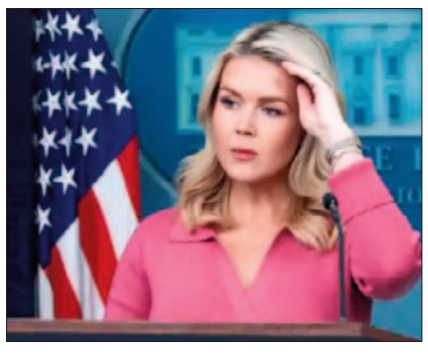
शहबाज बोले- आर्थिक सुधार को नुकसान पहुंच सकता है

शहबाज शरीफ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि लंबे समय तक चलने वाला प्रदर्शन पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधारने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पिछले ढाई साल से देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों को रोकने की कोई भी कोशिश राज्य से दुश्मनी के बराबर होगी।

यह ट्रम्प का पसंदीदा चैनल ■ बच्चों के चलते प्रेस सेक्रेटरी का पद छोड़ा था

व्हाइट-हाउस की नौकरी छोड़कर अब फॉक्स न्यूज जॉइन करेंगी लेविट

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिना लेविट अब फॉक्स न्यूज से जुड़ने जा रही हैं। लेविट ने अगस्त में अपने दो बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए व्हाइट हाउस का पद छोड़ा था। अब वह नवंबर से फॉक्स न्यूज में ऑन-एयर कंट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगी। फॉक्स न्यूज को ट्रम्प का पसंदीदा चैनल माना जाता है, हालांकि हाल के दिनों में ट्रम्प ने इसकी कवरेज को लेकर नाराजगी भी जताई है।

लेविट ने 1 मई 2026 को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद वह मातृत्व अवकाश पर गई थीं और 16 जुलाई को प्रेस ब्रीफिंग में वापस लौटी थीं। उनका एक दो साल का बेटा भी है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनने से पहले लेविट ट्रम्प के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान की प्रेस सेक्रेटरी थीं। इससे पहले 25 साल की उम्र में उन्होंने 2022 में अपने गृह राज्य न्यू हैम्पशायर से अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ा था। हालांकि, इस चुनाव में उन्हें हार मिली थी।

फॉक्स न्यूज ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से नेटवर्क में ऑन-एयर कंट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगी। नेटवर्क की CEO सुजैन स्कॉट ने कहा कि व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति चुनाव अभियान में लेविट के सीधे अनुभव से उन्हें आज की राजनीति को समझने में खास मदद मिलती है।

लेविट ने भी कहा कि वह व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी के अपने अनुभव से मिली सोच को फॉक्स न्यूज के करोड़ों दर्शकों तक पहुंचाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वह फॉक्स के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करेंगी।

ट्रम्प और फॉक्स न्यूज के रिश्ते इन दिनों पूरी तरह सहज नहीं हैं। ट्रम्प ने हाल ही में नेटवर्क की कवरेज को लेकर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' पर उनकी रैलियों को पर्याप्त कवरेज नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें यह देखकर दुख हुआ कि शनिवार रात ओहायो में हुई उनकी बड़ी रैली की कवरेज नहीं की गई।

ट्रम्प की दूसरी प्रेस सेक्रेटरी भी फॉक्स में

लेविट ट्रम्प की पहली प्रेस सेक्रेटरी नहीं हैं, जो फॉक्स न्यूज से जुड़ी हैं। उनकी पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कायले मैकएनैनी 2021 में फॉक्स न्यूज से जुड़ी थीं और अब भी नेटवर्क के साथ हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की प्रेस सेक्रेटरी रह चुकीं डाना पेरिनो भी फॉक्स न्यूज में राजनीतिक कमेंटेटर हैं।

ट्रम्प ने भी फॉक्स न्यूज के कई चेहरों को अपनी सरकार में बड़े पद दिए हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का है।

ट्रम्प ने कहा था- लेविट को मुझसे ज्यादा अपने बच्चे पसंद

लेविट 27 साल की उम्र में अमेरिका की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनी थीं। उन्होंने 12 अगस्त यह पद छोड़ने का ऐलान किया था। उस समय ट्रम्प ने उन्हें अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक बताया था। ट्रम्प ने उनके पद छोड़ने के बाद मजाक में कहा था,मुझे पता चला है कि कैरोलिना लेविट मुझे पसंद करने से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं। लेकिन लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा

साइबर फ्रॉड रोकने लगातार मैसेज भेजने का सिस्टम बनेगा

आईएमसी में इस बार एडवांस रोबोट

नई दिल्ली, एजेंसी



इंडिया मोबाइल कांग्रेस का 10वां एडिशन आज से दिल्ली में शुरू हो गया है। एशिया के सबसे बड़े टेक इवेंट में इस बार 6G, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI), सैटेलाइट कम्यूनिकेशन और साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टर में एडवांस टेक्नीक पर फोकस रहेगा।

यह इवेंट दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 10 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें 100 देशों के 1.5 लाख से ज्यादा लोग पहुंचेंगे। इसमें 500 स्टार्टअप के साथ 400 से ज्यादा कंपनियां अपने इनोवेशन दिखाएंगी। स्टारलिंक में बिजनेस ऑपरेशन्स की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने कहा कि भारत के 100% डिजिटल डेवलपमेंट के लिए हर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सबसे जरूरी है। इसके लिए सिर्फ पुराने तरीकों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार और इंडस्ट्री को मिलकर काम करना होगा। सैटेलाइट इंटरनेट के जरिए उन दूरदराज के इलाकों में भी ऑनलाइन सुविधाएं पहुंचाई जा सकती हैं, जहां अब तक इंटरनेट नहीं पहुंच पाया था। GSMA के डायरेक्टर जनरल विवेक बद्रीनाथ ने कहा कि अब भारत की डिजिटल नींव पूरी तरह तैयार है। इसलिए चर्चा सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। 100 करोड़ से ज्यादा यूजर्स के साथ, अब सारा फोकस टेलीकॉम नेटवर्क को और स्मार्ट व पावरफुल बनाने पर होना चाहिए, ताकि देश में AI इकोनॉमी और नई तकनीकों को बढ़ावा मिले।

अटैक: ब्लैक सी में 2 हमले, यूक्रेनी ड्रोन तेल टैंकर से टकराया; होर्मुज में भी 1 जहाज पर अटैक

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी



रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का क्रू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है। इससे पहले 5 और 6 अक्टूबर को होर्मुज स्ट्रेट और ब्लैक सी में भी भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमला हुआ। इन हमलों में 11 भारतीय जख्मी हुए।

6 अक्टूबर: होर्मुज स्ट्रेट में पनामा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज 'MT ऑन पीस' पर हमला हुआ। जहाज पर कुल 17 भारतीय थे, जिसमें 11 घायल हुए।

5 अक्टूबर: ब्लैक सी में MV रोयाद मम्मदोव रोमेनिया के पास एक जहाज पर हमला हुआ। इसमें 3 भारतीय नाविक सवार थे। हादसे के बाद जहाज डूब गया और 2 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। 11 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया कि जहाज पर रूसी ड्रोन से हमला हुआ था।

रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब 2 महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है।

माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरी बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।





जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था

लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम एफ्रामैक्स रियो है। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, यह यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में शामिल था। इसे रूस के कथित शैडो फ्लीट का हिस्सा बताया गया था।

रूस का शैडो फ्लीट उन टैंकरों और जहाजों का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है।

यूक्रेन ने फरवरी में जहाज पर प्रतिबंध लगाए थे। उसका कहना था कि इस नेटवर्क के जहाज रूस को जरूरी ऊर्जा आय बनाए रखने में मदद करते हैं। इसी आय से रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को फंड करता है।

मेलोनी को अपनी आवाज चोरी होने की फिक्र

एआई से बचने के लिए ट्रेडमार्क आवेदन दिया

रोम, एजेंसी



इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने अपनी आवाज को गलत तरीके से इस्तेमाल होने से बचाने के लिए उसे ट्रेडमार्क कराने का आवेदन किया है। उनका यह कदम AI डीपफेक के खतरे से बचने के लिए है। मेलोनी ने यूरोपीय संघ के बौद्धिक संपदा कार्यालय (EUIPO) में यह आवेदन किया है। आवेदन के साथ मेलोनी ने करीब 4 सेकंड की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग जमा की है। इसमें वह इतालवी भाषा में दो बार कहती हैं- लो सोनो जॉर्जिया यानी मैं जियोर्जिया मेलोनी हूं।

मेलोनी की 2021 में आई आत्मकथा का नाम भी लो सोनो जॉर्जिया था। यह वाक्य उनके राजनीतिक प्रचार से भी जुड़ा हुआ है। मेलोनी अपनी आवाज का ट्रेडमार्क कराने वाली पहली वर्ल्ड लीडर हैं। आवाज की रिकॉर्डिंग से AI सीखता है: AI को किसी व्यक्ति की असली आवाज की रिकॉर्डिंग दी जाती है। वह उसके बोलने के तरीके, आवाज के उतार-चढ़ाव और उच्चारण को समझता है।

फिर नई बातें उसी आवाज में बोली जा सकती हैं: AI इस जानकारी के आधार पर उस व्यक्ति की आवाज जैसी नई रिकॉर्डिंग तैयार कर सकता है, भले ही उसने वह बात असल में कभी न कही हो।

कुछ सेकंड की आवाज भी काफी: आवाज की नकल के लिए कुछ सेकंड की रिकॉर्डिंग से भी काम चल सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676